जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 192 प्रभात अजमेर, मंगलवार 17 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मणिशंकर अय्यर कांग्रेस पार्टी में हैं, या नहीं?

अय्यर पुरजोर ढंग से दावा कर रहे हैं कि वो कांग्रेस के सदस्य हैं, पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा कहते हैं कि मणिशंकर अय्यर कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं और सार्वजनिक रूप से वो जो भी कहते हैं, वो उनके व्यक्तिगत विचार ही हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। मणिशंकर अय्यर कांग्रेस पार्टी में हैं या नहीं? मणिशंकर अय्यर का कहना है कि वे कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं, जबकि पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा का कहना है कि अय्यर कांग्रेस पार्टी में नहीं हैं और वे अपनी व्यक्तिगत हैसियत से बोलते हैं।

मणिशंकर अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सराहना की है और कहा कि वे राज्य में सत्ता में वापस आएंगे, न कि कांग्रेस पार्टी।

अपने विशेष अंदाज में मणिशंकर ने कहा कि कांग्रेस के नेता वामपंथियों की बजाय, एक-दूसरे से ज्यादा नफरत करते हैं, जबकि वामपंथियों के खिलाफ उन्हें आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना है।

इस बयान ने केरल और दिल्ली दोनों ही जगह कांग्रेस नेताओं को नाराज़ कर दिया है, क्योंकि पार्टी को पूरा यकीन है कि वह केरल में जीत हासिल करेगी और वहां से वामपंथियों को उखाड़ फेंकेगी।

- **प्रत्युत्तर में मणिशंकर ने टिप्पणी की कि अगर कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा जैसे लोग हैं तो पार्टी इसी स्थिति में बनी रहेगी, जिस स्थिति में आज है।**
- **मणिशंकर अय्यर ने केरल के मार्क्सवादी पार्टी के नेता व राज्य के मुख्यमंत्री विजयन की प्रशंसा करते हुए यह भी कहा कि विजयन पुनः मु.मंत्री बनकर लौटेंगे, क्योंकि केरल के कांग्रेस पार्टी के नेता, एक-दूसरे के जितने खिलाफ हैं उतने मार्क्सवादी पार्टी के खिलाफ नहीं हैं।**
- **मणिशंकर अय्यर की इस टिप्पणी से कांग्रेस पार्टी बहुत क्षुब्ध है, क्योंकि प्रदेश के नेता व दिल्ली का हाईकमान तो यह मानकर चल रहा है कि केरल में अगले चुनाव में पार्टी अवश्य जीत कर आएगी और सरकार बनाएगी।**

मणिशंकर अय्यर मुंहफट और बडबोले नेता हैं और बोलने से कोई कोताही नहीं बरतते। वे कई बार कांग्रेस से बाहर गए और फिर लौटे, और उनके आसपास विवाद हमेशा बने रहते हैं।

वे राजीव गांधी के करीबी थे, लेकिन राहुल या प्रियंका गांधी से उनकी कोई खास नहीं बनती। राहुल की मंडली और शशि थरूर जैसे सांसदों की वे कड़ी आलोचना करते हैं, जिन्हें वे "एंटी-पाकिस्तान" कहते हैं, और उनका कहना है कि शशि थरूर विदेश मंत्री बनना चाहते हैं।

मणिशंकर का कहना है कि अगर कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा जैसे लोग होंगे, तो पार्टी का यही हाल रहेगा।

उन्होंने एक एआईसीसी सत्र के दौरान नरेन्द्र मोदी को चायवाला कहा था, और यह बयान एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया, जिसने भाजपा और मोदी के पक्ष में काम किया और कांग्रेस को 2014 के आम चुनावों में बुरी तरह नुकसान पहुँचाया, जब मोदी सत्ता में आए और कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया।

मणिशंकर अय्यर एक "दिशाहीन मिसाइल" की तरह हैं और यह देखना होगा कि क्या पार्टी एक बार फिर उनके खिलाफ कार्रवाई करती है।

जेईई मेन्स सत्र-1 का परिणाम घोषित

नई दिल्ली, 16 फरवरी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने जेईई मेन 2026 सत्र-1 (पेपर-1 बी.ई./बी.टेक.) का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया। इस वर्ष कुल 12 अभ्यर्थियों ने 100 परसेंटाइल (परफेक्ट एनटीए स्कोर) प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल किया है।

एनटीए द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 100 परसेंटाइल प्राप्त करने वालों में श्रेयस मिश्रा (दिल्ली एनसीटी), नरेंद्रबाबू गारी माहिथ (आंध्र प्रदेश), शुभम कुमार (बिहार), कबीर छिल्लर (राजस्थान), चिरंजीब कर (राजस्थान), भावेश पात्रा (ओडिशा), अनय जैन (हरियाणा), अर्णव गौतम (राजस्थान), पासला मोहित (आंध्र प्रदेश), माधव विरादिया (महाराष्ट्र), पुरोहित निमय (गुजरात) और विवान शरद माहिश्वरी (तेलंगाना) शामिल हैं।

- **12 अभ्यर्थियों को मिले 100 पर्सेंटाइल, इनमें सबसे ज्यादा 3 राजस्थान के।**

उल्लेखनीय है कि 100 परसेंटाइल लगभग शीर्ष अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) की गारंटी माना जाता है और इससे अभ्यर्थियों के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

योगी आदित्यनाथ, भाजपा के "मणिशंकर अय्यर" हैं?

योगी ने दिल्ली की सरकार, दिल्ली की नगर परिषद व केन्द्रीय सरकार को कठघरे में खड़ा किया, प्रदूषण के मुद्दे पर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नई दिल्ली को "गैस चेंबर" बताए जाने से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है और इससे सत्तारूढ़ पार्टी को भी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी हाल के दिनों में विपक्ष के निशाने पर रहे हैं। विपक्ष ने जेफ्री एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेजों में उनके नाम का जिक्र होने पर सवाल उठाए हैं। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी आरोप लगा रहे हैं कि भारत सरकार अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में अमेरिकी दबाव के आगे झुक गई।

केन्द्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम – तीनों ही भाजपा सत्ता में है। उत्तर प्रदेश सरकार भी भाजपा की ही है। ऐसे में दिल्ली के प्रदूषण पर योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी को भाजपा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव जैसा माना जा रहा है। गोरखपुर में बोलते हुए योगी ने कहा बताया है, "दिल्ली जाना गैस चेंबर में जाने जैसा है। वहां हमें घुटन महसूस

- **योगी ने गोरखपुर में कहा कि दिल्ली एक गैस चैम्बर बना हुआ है। प्रदूषण के कारण आँखें जलती हैं, सांस लेने में तकलीफ होती है तथा बच्चों, बुजुर्गों व अस्वस्थ प्राणियों को अधिकृत रूप से सलाह दी जा रही है कि घर पर ही बने रहें, घर से बाहर न निकलें, प्रदूषण के कारण।**
- **योगी काफी कुछ सच कह रहे हैं, चाहे उनके शब्द, ज्यादा कर्णप्रिय नहीं हैं, भाजपा को। क्योंकि, गोरखपुर में गत रविवार को ए.क्यू.आई 97 था, जबकि दिल्ली की संभ्रात कॉलोनी आनंद विहार में 239 था।**
- **चर्चा यह है कि भाजपा गुजरात का विकास मॉडल खूब प्रचारित कर रही, पर, योगी प्रतिस्पर्धा में यूपी को प्रदूषण रहित स्वस्थ वातावरण वाले मॉडल के रूप में खड़ा कर रहे हैं। मोदी के बाद, सत्ता की दौड़ में अपने आपको अग्रणी रखने के लिए।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शशि थरुर की नज़र विदेश मंत्री के पद पर है'

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अय्यर ने एक न्यूज़ चैनल को दिए इंटरव्यु में यह दावा भी किया कि कांग्रेस केरल में चुनाव नहीं जीतेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने एक बार फिर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को शर्मिंदा कर दिया है। एनडीटीवी के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं पर विवादास्पद बयान दिए, जिनमें शशि थरूर, जयराम रमेश और पवन खेड़ा शामिल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस केरल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी, क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को "जितनी नफरत कम्यूनिस्टों से है, उससे कहीं ज्यादा नफरत वे एक दूसरे से करते हैं।"

अय्यर का यह सनसनीखेज बयान, उनके द्वारा केरल के मुख्यमंत्री और माकपा नेता पिनाराई विजयन की हाल ही में की सराहना के बीच आया है, जिसमें उन्होंने यह भविष्यवाणी की थी कि वामपंथी नेता आगामी चुनावों के बाद भी मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे।

कांग्रेस ने अय्यर के बयान से खुद को अलग कर लिया है, और पार्टी के नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अय्यर का कांग्रेस से कोई संबंध नहीं है और वे व्यक्तिगत रूप से बोल रहे हैं।

एनडीटीवी से बात करते हुए, अय्यर ने पवन खेड़ा को "कठपुतली" बताया और कहा कि वे पार्टी के प्रवक्ता नहीं हैं। उन्होंने कहा, "वे पिछले दो सालों से मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। अगर कांग्रेस पार्टी को पवन खेड़ा के अलावा कोई और प्रवक्ता नहीं मिल रहा है, तो उसका यही हाल रहेगा, जो इस समय है।"

- **अय्यर ने कहा कि केरल में वाम मोर्चा फिर से सत्ता में आएगी और पिनाराई विजयन फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे।**
- **कांग्रेस ने अय्यर के बयानों से दूरी बनाते हुए कहा कि अय्यर निजी हैसियत से बात करते हैं, पार्टी का इससे कोई लेना देना नहीं है।**

'एक्स' में तकनीकी फॉल्ट

नई दिल्ली,16 फरवरी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स-(पहले ट्विटर) सोमवार शाम से अचानक से डाउन हो गया। भारत समेत कई देशों में यूजर्स ने शिकायत की कि वे न तो पोस्ट देख पा रहे हैं और न ही नए अपडेट शेयर कर पा रहे हैं। भारत समेत दुनियाभर के लाखों यूजर एक्स के डाउन होने से परेशान हैं। डाउनडिटेक्टर डॉटकॉम के अनुसार, शाम 6 बजकर 53 मिनट पर 52 फीसदी ऐप यूजर्स को इस तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था, जबकि फीड और टाइमलाइन अपलोडिंग में 21 फीसदी यूजर्स को परेशानी हो रही थी। इसके अलावा लगभग 17 फीसदी यूजर्स ने एक्स की वेबसाइट पर टेक्निकल दिक्कत की बात रिपोर्ट की है।

- **दुनिया भर के लाखों यूज़र्स परेशान।**

अब पुनः "उद्योग" की कानूनी परिभाषा निर्धारित होगी

सुप्रीम कोर्ट इसके लिए नौ-सदस्यीय कॉन्स्टिट्यूशन बैंच गठित करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 और उससे पहले के कानून के तहत, इंडस्ट्री की परिभाषा तय करने के लिए नौ जजों की संविधान पीठ बनाएगा।

संविधान पीठ 1975 में दिए गए सात जजों की पीठ के फैसले, बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (बी.डब्ल्यु.एस.एस.बी.) बनाम आर. राजप्पा की सही व्याख्या पर फैसला करेगी।

निर्णय लिया जाएगा कि क्या सरकारी विभागों या सरकारी संस्थाओं द्वारा चलाई जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं को औद्योगिक गतिविधि माना जा सकता है? तथा राज्य की कौन-सी गतिविधियां इस कानून के दायरे में आएंगी और क्या ऐसी गतिविधियां इंडस्ट्री की परिभाषा से बाहर मानी जाएंगी?

बीडब्ल्यूएसएसबी मामले में, कोर्ट ने यह तय करने के लिए तीन शर्तों वाला टैस्ट बनाया था कि कोई एन्टरप्राइज़ "इंडस्ट्री" की परिभाषा में आता है या नहीं और एन्टरप्राइज़ इस तरह उस पर लेबर कानून लागू होंगे या नहीं। फैसले में कहा गया था कि अगर कोई संस्था नियमित रूप से काम करती है, उसमें नियोक्ता और कर्मचारी के बीच संगठित सहयोग होता है और वह लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन या वितरण करती है, तो उसे इंडस्ट्री माना जाएगा।

इस फैसले के बाद क्लब, अस्पताल और शैक्षिणक संस्थानों जैसे कई क्षेत्रों के कर्मचारियों को भी श्रम कानूनों का लाभ मिलने लगा था, जिसमें यूनियन बनाने और सामूहिक बातचीत करने का अधिकार शामिल है।

- **1975 में सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय बैंच ने "इण्डस्ट्री" (उद्योग) की परिभाषा स्थापित की थी, पर, अब महसूस किया जा रहा है कि शायद 1975 में निर्धारित परिभाषा की सार्थकता का पुनः अवलोकन जरूरी हो गया है।**
- **उदाहरण के लिए, सरकार की "सोशल वेलफेयर" गतिविधियां व योजनाएं उद्योग की परिभाषा में आती हैं क्या?**
- **क्लबों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थाओं के कर्मचारियों को भी यूनियन बनाने व प्रबधकों से सार्वजनिक "बारगेनिंग" करने का पूर्ण अधिकार है और कानूनी सुरक्षा प्राप्त करना जायज है, "इण्डस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट" (औद्योगिक विवाद अधिनियम) के अन्तर्गत आदि, आदि।**

जस्टिस संधु ने काला हिरण शिकार मामले में सुनवाई से इंकार किया

जोधपुर, 16 फरवरी (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट में बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को नया मोड़ आ गया। जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने इस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने फाइल को किसी अन्य बेंच के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई दूसरी बेंच करेगी।

जानकारी के अनुसार, साल 1998 के इस मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान की सजा के खिलाफ अपील और राज्य सरकार की ओर से सह-आरोपियों को बरी करने के खिलाफ दायर लीव टू अपील पर संयुक्त सुनवाई होनी थी। तकनीकी प्रक्रियाओं और बेंच बदलने के कारण अब इस मामले की कानूनी प्रक्रिया में नया समय तय होगा।

इस केस में सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और नीलम से कई बार पूछताछ की गई थी। मामला सितंबर-अक्टूबर 1998 का है, जब फिल्म "हम साथ साथ हैं" की शूटिंग के दौरान कांकाणी गांव की सरहद पर दो काले हिरणों का शिकार किया गया था। निचली अदालत ने सलमान खान को दोषी मानते हुए 5

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कोर्ट ने फाइल को किसी अन्य बैंच के सामने प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।**

प्रधानमंत्री ने भिवाड़ी हादसे पर दुख जताया

नई दिल्ली, 16 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना अत्यंत दु:खद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के भिवाड़ी के खुशखेड़ा कराैली औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लॉट संख्या जी1/118बी में सोमवार सुबह अग्निकांड की घटना सामने आई, जहां संचालित एक निजी औद्योगिक इकाई में अचानक आग लग गई। इस हादसे में अब तक सात लोगों के मौत की सूचना है।

- **उन्होंने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की।**

भारत की सावलकोट हाइड्रो इलैक्ट्रिक योजना से पाकिस्तान में फैली घबराहट

पाकिस्तान के मीडिया में इस परियोजना को भारी कवरेज दिया जा रहा है और इसे उकसाने वाली हरकत बताया जा रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 फरवरी। चिनाब नदी पर बनी 1,856 मेगावाट की सावलकोट जलविद्युत परियोजना के औपचारिक शुभारंभ पर पाकिस्तान में तीव्र राजनीतिक और मीडिया प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जो जम्मू और कश्मीर में भारत के नवीनतम कदम के सामरिक महत्व को रेखांकित करती है। घटनाक्रम की पहली रिपोर्ट सीएनएन न्यूज़-18 द्वारा की गई थी और इसे इंडस वॉटर ट्रीटी को निलंबित किए जाने के बाद भारत द्वारा उठाया गया पहला महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर कदम माना जा रहा है, एक ऐसा कदम, जो नदी जल प्रबंधन पर एक सख्त रुख की ओर इशारा करता है।

सावलकोट परियोजना के शुभारंभ को सीमा पार अधिक महत्व से देखा जा रहा है, इसे केवल एक सामान्य पावर-सेक्टर निर्णय से कहीं अधिक माना जा रहा है। पाकिस्तान के टेलीविजन नेटवर्क और प्रमुख समाचार पत्रों ने इस घोषणा को व्यापक कवरेज दी है, और इसे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जल विवाद में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में पेश किया है। टिप्पणीकारों ने इसे कड़े शब्दों में बताया है, और आरोप लगाया है कि भारत का उद्देश्य डाउनस्ट्रीम जल प्रवाह को बदलना है। कुछ विशेषज्ञ पैनल इसे जल नियंत्रण के माध्यम से दबाव डालने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा मानते हैं।

इस्लामाबाद ने औपचारिक रूप से प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे "गंभीर चिंता का विषय" बताते हुए 1960 की इंडस वॉटर ट्रीटी के तहत पाकिस्तान के अधिकारों की रक्षा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि भारत से विस्तृत तकनीकी जानकारी प्राप्त करने के लिए अनुरोध भेजे गए हैं और यह मुद्दा स्थायी इंडस आयोग तंत्र के माध्यम से उठाया गया है। पाकिस्तान के इंडस जल आयुक्त ने हाल के महीनों में अपने भारतीय समकक्ष को पत्र लिखकर, समझौते के तहत विचार-विमर्श की मांग की है।

नई दिल्ली ने हालांकि यह कहा है कि परियोजना पूरी तरह से भारत के कानूनी और संप्रभु अधिकारों के तहत आती है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े निर्णय भारत के अपने अधिकारों के मूल्यांकन और व्याख्या द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। भारतीय अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि सावलकोट एक "रन-ऑफ-द-रिवर" जलविद्युत योजना" के रूप में संरचित है, एक श्रेणी, जिसे इंडस वॉटर ट्रीटी के तहत स्पष्ट रूप से अनुमति दी गई है और इसमें चेनाब बेसिन के बाहर जल परिवहन शामिल नहीं है।

इस कदम की गंभीरता इसके पैमाने और समय, दोनों बातों में निहित है और 1,856 मेगावाट क्षमता के साथ, सावलकोट चेनाब प्रणाली पर सबसे बड़े जलविद्युत संसाधनों में से एक होगा, जो जम्मू और कश्मीर में नदी प्रवाह का दोहन करने की भारत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा, पाकिस्तान अपने हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।**
- **पाकिस्तान के इंडस वॉटर कमिश्नर ने भारत में इंडस वॉटर कमिश्नर को चिट्ठी भेज कर विचार-विमर्श का आग्रह किया है।**
- **इधर भारत का दावा है कि सावलकोट परियोजना नई नहीं है। इस जगह को सबसे पहले 1960 में चिन्हित किया गया था। फिर 1962-71 में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने इसका आकलन किया था।**
- **वर्ष 2018 में केन्द्र सरकार को भेजी गई विस्तृत रिपोर्ट से पता लगता है कि इस प्रोजैक्ट पर शुरुआत तो 60 के दशक में ही हो गई थी।**

विचार बिन्दु

जैसे जीने के लिए मृत्यु का अस्वीकरण ज़रूरी है वैसे ही सृजनशील बने रहने के लिए प्रतिष्ठा का अस्वीकरण ज़रूरी है। -डॉ. रघुवंश

पीएम केयर्स फंड - आर.टी.आई. के दायरे से बाहर क्यों?

कोविद-19 की समस्याओं से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट पीएम केयर्स फंड (Prime Minister's Citizen Assistance and Relief in Emergency Situations Fund) मार्च 2020 में बनाया गया। इसका पंजीयन रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908 में किया गया। इसका उद्देश्य प्रमुख रूप से किसी भी प्रकार की जनस्वास्थ्य आपदा, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना और उससे उत्पन्न स्थितियों का मुकाबला करने के लिए फंड की व्यवस्था करना था।

इस फंड के अध्यक्ष प्रधानमंत्री और सदस्य गृहमंत्री एवं रक्षा मंत्री हैं। प्रधानमंत्री ने दो और ट्रस्टी न्यायमूर्ति के टी थॉमस और कारिया मुंडा को नियुक्त किया। ट्रस्टी मंडल ने राजीव महर्षि, सुधा मूर्ति और आनंद शाह को फंड के सलाहकार मंडल में नियुक्त किया।

इस फंड में दिये गये दान की 100 प्रतिशत धनराशि आयकर अधिनियम की धारा 80 (जी) के अंतर्गत आयकर से मुक्त है। इस फंड में दी गई राशि को सी एस आर के अंतर्गत भी मान्यता प्राप्त है। इसका अर्थ यह हुआ कि कोई भी कंपनी या सरकारी उपक्रम इस फंड में राशि जमा कराएगा तो वह आयकर से मुक्त होगी। इस फंड के बारे में इसकी वेब साइट पर अंतिम सूचना 31 मार्च, 2023 तक की ही उपलब्ध है। जब इस फंड में तब कुल 6100 करोड़ रुपए शेष थे। इसके बाद की कोई सूचना वेब साइट पर उपलब्ध नहीं है।

यह फंड स्थापना के समय से ही विवादों में घिरा रहा है। विवादों का प्रमुख कारण इसके संचालन में पारदर्शिता और जवाब देही का पूर्णतया अभाव रहा। हाल ही में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार इससे संबंधित प्रश्नों को संसद के दायरे से भी बाहर कर दिया गया है। अब इस फंड के बारे में कोई भी प्रश्न किसी सांसद द्वारा नहीं पूछा जा सकता है।

इस फंड की स्थापना से ही इसे नियंत्रक और महालेखाकार (सी ए जी) के नियंत्रण से बाहर रखा गया अर्थात अन्य सरकारी विभागों की तरह इसकी ऑडिट कैग द्वारा नहीं की जा सकती। किसी निजी चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा अन्य कंपनियों की तरह इसकी ऑडिट होती है। इसका मुख्यालय प्रधानमंत्री कार्यालय है। हाल ही में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि पीएम केयर फंड 'पब्लिक अथॉरिटी' की परिभाषा में नहीं आता है, अतः इस पर "सूचना का अधिकार कानून" लागू नहीं होता है। इसके बारे में किसी भी प्रकार के प्रश्न का उत्तर देने के लिए सरकार संसद में बाध्य नहीं है। एक प्रकार से, इस फंड में जमा राशि का उपयोग इसके ट्रस्टी अपनी इच्छानुसार कर सकते हैं।

पीएम केयर फंड की स्थापना के बाद इसकी जवाब देही सुनिश्चित करने और इसे आर टी आई कानून के दायरे में लाने के लिए विभिन्न उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में अनेक याचिकाएं दायर की गई थीं जिन्हें खारिज कर दिया गया था। इस फंड में लगभग 3000 करोड़ रुपए पहले ही साल में भारत सरकार के कई उपक्रमों द्वारा जमा करवाए गए। उल्लेखनीय है कि इसमें राशि जमा कराने के लिए आव्हान करते समय प्रधानमंत्री ने सभी सार्वजनिक उपक्रमों को लिखा था। इस फंड के बारे में वेबसाइट पर जो सूचना उपलब्ध है, उसमें सरकारी राज्य चिन्ह अशोक स्तंभ का इस्तेमाल किया गया है। वर्तमान स्थिति में इस फंड के प्रबंधन का अधिकार प्रधानमंत्री और उनके द्वारा नामित अधिकारियों के पास है। सार्वजनिक उपक्रमों के लिए भी इस फंड में राशि जमा करना बहुत सरल था क्योंकि इसे सी एस आर के लिए मान लिया गया था। जब इस फंड को सारी सुविधाएं और इसका सारा स्वरूप ही सरकारी फंड की तरह है तो इस पर नियंत्रण सी ए जी का होना चाहिए था। इसे संसद और आर टी आई एक्ट से बाहर करना अपारदर्शिता को बढ़ाता है। जनता के पैसे को मनमानी तरह से खर्च करने की छूट देना उचित प्रतीत नहीं होता है।

पीएम केयर फंड की राशि किन-किन कार्यों पर व्यय की गई एवं कैसे की गई यह किसी को नहीं पता। इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं होने के कारण इस पर कोई प्रश्न भी नहीं उठा सकता। इसी से विभिन्न आशंकाएं को जन्म मिलता है और अपारदर्शिता और जवाब देही का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

पीएम केयर्स फंड में जमा राशि किसी की व्यक्तिगत राशि नहीं है अपितु अधिकांशतया सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जमा की गई है। किसी प्रकार का खुलापन न रखना और इस पर किसी प्रकार की बहस से बचना सरकार की नीयत पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय से अपेक्षा है कि वह अपने पुराने आदेशों में संशोधन करते हुए सरकार को निर्देश दे कि इस फंड की ऑडिट सीएजी के द्वारा की जाए एवं इसके संबंध में सूचनाएं, सूचना के अधिकार कानून के अंतर्गत आम नागरिकों को प्राप्त करने का अधिकार हो।

जब सरकार की नीयत में किसी प्रकार की खोट नहीं है तो फिर इसके खर्चों की जानकारी सार्वजनिक न करना, विभिन्न प्रकार के संदेह उत्पन्न करता है।

यह भी स्पष्ट नहीं है कि जब पहले से ही प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष और मुख्यमंत्री राहत कोष जैसे फंड उपलब्ध थे, तो फिर कोविद-19 की आड़ में एक नया "पीएम केयर्स फंड" बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इसका कोई औचित्य समझ में नहीं आता। इस फंड में कई प्राइवेट कंपनियों/व्यक्तियों द्वारा भी दान दिया गया किंतु प्रमुख रूप से सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा दान दिया गया। किसी भी व्यक्ति के लिए इस फंड में राशि जमा कराने से मना करना इसलिए भी संभव नहीं था कि फंड के अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री हैं। किसी भी सार्वजनिक उपक्रम के लिए प्रधानमंत्री की अपील, आदेश के ही समान होती है।

पारदर्शिता और जवाबदेही किसी भी लोकतांत्रिक संस्था के बारे में विश्वास उत्पन्न करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन दोनों का ही पूर्णतया अभाव पीएम केयर्स फंड के संचालन में दिखाई देता है। इसका कोई औचित्य नहीं है कि इस फंड को कैग तथा आर टीआई के दायरे से बाहर रखा जाए। जब इसमें राशि जमा करते समय सरकार द्वारा आग्रह किया जाता है और इसके लेटर हेड पर अशोक स्तंभ का उपयोग होता है तो फिर इसे सरकारी फंड क्यों नहीं माना जाना चाहिए? इसके संचालन के तरीके पर प्रश्न उठते रहे हैं एवं यह भी सुना गया कि इसके माध्यम से बहुत सारे अनावश्यक खर्च किए गए।

किसी भी प्रकार की जानकारी के अभाव में इस बारे में कुछ भी निश्चित रूप से कहा जाना संभव नहीं है। विभिन्न उच्च न्यायालयों एवं सुप्रीम कोर्ट में इसके बारे में जब भी याचिका दायर की गई तो उन्हें भी न्यायालय द्वारा या तो खारिज कर दिया गया या उन्हें अभी तक लंबित रखा गया है।

सरकार ने गत संसद सत्र में अपनी जवाब देही को टालते हुए न तो इस फंड से संबंधित प्रश्नों को उठाने की अनुमति दी अपितु लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जब ज़ॅग्ह फाइल और जनरल नरवाने की किताब के बारे में कुछ उल्लेख करना चाहा तो उन्हें नियमों का हवाला देते हुए ऐसा करने से रोक दिया गया। जनता को संसद के माध्यम से ही सरकार से विभिन्न प्रश्नों का उत्तर लेने का अवसर मिलता है, यदि इसी को प्रतिबंधित कर दिया जाएगा तो फिर यह लोकतंत्र की मूल भावना के विरुद्ध होगा। यदि पूर्व सेना अध्यक्ष ने अपनी पुस्तक में 2020 में चीन द्वारा की जा रही कुछ गतिविधियों और सरकार के निर्णय के बारे में उल्लेख किया, तो उसे संसद में नहीं रखने देगा एवं उसे पर कोई चर्चा नहीं होने देना अच्छा संकेत नहीं है। अच्छा होता, इस किताब के अंश पढ़ने की अनुमति राहुल गांधी को मिल जाती तो उस पर सरकार अपना पक्ष स्पष्ट कर देती। इससे आशंकाओं पर विराम लग जाता। अब सरकार, अधिकारियों पर सेवा निवृत्ति के 20 वर्ष बाद तक कोई किताब लिखने पर रोक लगाने की सोच रही है। वास्तव में इस प्रकार का कानून अथवा आदेश सरकार ने जारी कर दिया तो यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूलभूत अधिकार के विपरीत होगा।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार को, विपक्ष एवं समाज के अन्य घटकों द्वारा की गई आलोचनाओं को न केवल सहने के लिए तैयार रहना होगा अपितु उन पर सरकार की स्थिति स्पष्ट भी करनी होगी। इस पर जितनी रोक लगाई जाएगी, उतनी ही आशंकाएं बढ़ेंगी और अंदर ही अंदर असंतोष भी बढ़ता रहेगा।

पीएम केयर्स फंड पारदर्शिता और जवाब देही के अभाव का उदाहरण बन गया है। वर्तमान सरकार तो पहले से ही सूचना के अधिकार कानून के बारे में अधिक उत्साहित नहीं थी और उसे किसी न किसी प्रकार से कमजोर करने के प्रयास में लगी हुई है। सरकार के निर्णय पारदर्शी हों और सार्वजनिक रूप से उनका औचित्य जनता को समझा सकें, वह कहीं बेहतर होगा, बजाय इसके कि लोगों तक सूचना ही न पहुंचने दे।

पीएम केयर्स फंड में जमा राशि किसी की व्यक्तिगत राशि नहीं है अपितु अधिकांशतया सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा जमा की गई है। किसी प्रकार का खुलापन न रखना और इस पर किसी प्रकार की बहस से बचना सरकार की नीयत पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय से अपेक्षा है कि वह अपने पुराने आदेशों में संशोधन करते हुए सरकार को निर्देश दे कि इस फंड की ऑडिट सीएजी के द्वारा की जाए एवं इसके संबंध में सूचनाएं, सूचना के अधिकार कानून के अंतर्गत आम नागरिकों को प्राप्त करने का अधिकार हो।

अपारदर्शी रूप से धन इकट्ठा करने का प्रयास इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से सरकार ने किया था किंतु उसे भी अंततः सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक मानते हुए खारिज किया था। इस बारे में भी यही स्थिति उत्पन्न हो,1 उसके पहले ही सरकार को स्वयं अपने स्तर पर आगे बढ़कर इससे संबंधित सारी सूचनाओं जनता के समक्ष सार्वजनिक करनी चाहिए।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत, पूर्व आई ए एस,
उपाध्यक्ष, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया, राजस्थान चैप्टर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विज़न से कृषि क्षेत्र में संरचनात्मक क्रांति का सूत्रपात

अन्नदाता की समृद्धि से विकसित राजस्थान का संकल्प बजट 2026-27

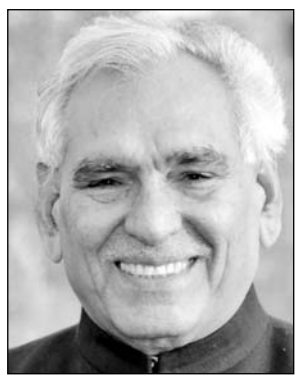

सी आर चौधरी

राजस्थान की मरुधरा पर कृषि केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की जीवनरेखा और सामाजिक-आर्थिक स्थिरता की धुरी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पेश किया गया वर्ष 2026-27 का बजट इस बात का जीवंत प्रमाण है कि राज्य सरकार अब खेती को केवल निर्वाह के साधन से ऊपर उठाकर आर्थिक शक्ति में बदलने के लिए कटिबद्ध है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। यह प्रदेश के अन्नदाता के प्रति सरकार की गहरी संवेदनशीलता और दूरगामी विज़न को दर्शाता है।

खेती में निवेश की सबसे बड़ी बाधा पूंजी का अभाव रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर इस बजट में 35 लाख से अधिक किसानों के लिए 25,000 करोड़ रुपये के ब्याज-मुक्त अल्पकालीन ऋण का प्रावधान किया गया है। यह राशि छोटे और सीमांत किसानों को उन साहूकारों के चंगुल से बचाएगी जो ऊंची ब्याज दरों से उनकी मेहनत को सोख लेते थे। राज्य सरकार द्वारा 800 करोड़ रुपये का ब्याज अनुदान स्वयं वहन करना यह सुनिश्चित करता है कि किसान समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और उर्वरक खरीद सकें। सहकारी क्षेत्र में दीर्घकालीन ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान लघु कृषि उद्यिमयों के लिए नए द्वार खोलेगा। प्रति बूंद अधिक फसल और सिंचाई सुदृढ़ीकरण राजस्थान जैसे जल-अभाव वाले राज्य में कृषि की सफलता जल प्रबंधन पर टिकी है।

बजट में सिंचाई अवसंरचना के लिए 585 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान प्रस्तावित है, जिससे 8,000 डिग्गियाँ, 15,000 किलोमीटर सिंचाई पाइपलाइन और 36,000 फार्म पॉण्ड तैयार किए जाएंगे। सूक्ष्म सिंचाई पर दिया गया यह जोर न केवल प्रति बूंद अधिक फसल के सपने को साकार करेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दौर में खेती को सुरक्षित भी बनाएगा। इससे फसल विविधीकरण को बल मिलेगा और किसान उन फसलों की ओर रुख कर सकेंगे जो कम पानी में अधिक मुनाफा देती हैं। आज का युग तकनीक का है, और राजस्थान के किसान अब इसमें पीछे नहीं रहेंगे। मुख्यमंत्री ने 500 नए कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह उन छोटे किसानों के लिए वरदान है जो महंगे ट्रैक्टर या हार्वेस्टर नहीं खरीद सकते। वे अब इन केंद्रों से सस्ती दरों पर मशीनरी किराये पर लेकर अपनी श्रम लागत घटा सकेंगे।

तकनीक के मोर्चे पर राज कृषि सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली की स्थापना एक क्रांतिकारी कदम है। एआई, मशीन लर्निंग और सैटेलाइट इमेजरी के माध्यम से किसानों को मौसम के जोखिम, फसल स्वास्थ्य की निगरानी और बुवाई के सही समय की सटीक जानकारी मिलेगी। यह डिजिटल कृषि मिशन राजस्थान को देश में तकनीक-आधारित खेती का मॉडल बनाएगा। आवारा पशुओं और जंगली जानवरों से फसल की बर्बादी किसानों की एक बड़ी पीड़ा रही है। इसे समझते हुए सरकार ने 50,000 किसानों को 20,000 किलोमीटर तारबंदी के लिए 228 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। सामुदायिक तारबंदी की शर्तों में ढील (न्यूनतम किसान 10 से घटाकर 7 करना) सरकार के व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। वहीं, मृदा स्वास्थ्य के लिए 3,496 ग्राम पंचायतों में वर्मी-कम्पोस्ट इकाइयों की स्थापना जैविक खेती की दिशा में एक बड़ा निवेश है। राजस्थान की डेयरी इकोनॉमी को नई ऊंचाई देने के लिए राजस्थान कॉपरेटिव डेयरी इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फंड को दोगुना कर 2,000 करोड़ रुपये किया गया है। सरस को एक राष्ट्रीय ब्रांड बनाने के लिए दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों में आउटलेट्स खोलना प्रदेश के पशुपालकों की आय बढ़ाने का सीधा जरिया बनेगा। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत 700 करोड़ रुपये का अनुदान और मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के माध्यम से पशुधन सुरक्षा सुनिश्चित करना ग्रामीण राजस्थान के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। आर्थिक समीक्षा 2025-26 के परिणाम बताते हैं कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में किए गए प्रयास रंग ला रहे हैं। रबी दलहनों के उत्पादन में 22.34 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि और मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना के तहत 99 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति यह सिद्ध करती है कि सरकारी नीतियां धरातल पर क्रियान्वित हो रही हैं। राजस्थान बजट 2026-27 केवल सब्सिडी देने का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह कृषि को एक लाभदायक इंडस्ट्री में बदलने का रोडमैप है। मिशन राज गिफ्ट के माध्यम से विशिष्ट कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग हो या नमो ड्रोन दीदी के जरिए महिलाओं का सशक्तिकरण, सरकार हर छोर को मजबूत कर रही है।

इन प्रावधानों से स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संकल्प केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसान के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। यदि ये योजनाएं अपनी पूर्ण क्षमता से लागू होती हैं, तो राजस्थान विकसित भारत की संकल्पना में विकसित और समृद्ध कृषि प्रदेश के रूप में अपनी अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करेगा।

-सी आर चौधरी,
अध्यक्ष, राजस्थान किसान आयोग

वयं को घायल करता अहं का दंश

अनुराग शुक्ला

एक वाकया 11 जून 2014 का है। नेता प्रतिपक्ष सुषमा स्वराज थी और ये मनमोहन सरकार की लोकसभा का आखिरी दिन था। सुषमा स्वराज ने भाषण दिया था-मैं बहुत प्यार से कह रही हूं मेरे भाई कमलनाथ अपनी शरारत से इस सदन को उलझा देते थे और आदरणीय शिंदेजी अपनी शराफत से उसे सुलझा देते हैं और इस शरारत और शराफत के बीच बैठी हुई सोनियाजी की मध्यस्थता आदरणीय प्रधानमंत्रीजी की सौम्यता आपकी सहनशीलता और आडवानीजी की न्याय प्रियता के कारण यह सदन चल सका।

उन्होंने इसी भाषण में आगे कहा था भारतीय लोकतंत्र के मूल में एक भाव है और वो भाव क्या है वो भाव यह है कि हम एक दूसरे के विरोधी हैं मगर शत्रु नहीं और हम विरोध करते हैं, विचारधारा के आधार पर, हम विरोध करते हैं नीतियों के आधार पर, हम विरोध करते हैं कार्यक्रमों के आधार पर। अलग-अलग है खिलाफी विचारधारा है अलग-अलग नीतियां बनाती है सरकार, अलग-अलग कार्यक्रम बनाती है, उस पर हम आलोचना करते हैं व आलोचना प्रखर भी होती है लेकिन प्रखर से प्रखर आलोचना भी भारतीय लोकतंत्र में एक दूसरे के व्यक्तिगत संबंधों में आड़े नहीं आती है। इस भाषण को पक्ष विपक्ष के साथ पूरे देश ने सराहा था।

वहीं इन दिनों राहुल गांधी मुद्दे उठाते हैं पर भटक जाते हैं। अहं पर अटक जाते हैं। उनकी अंगभाषा को देखकर लगता है कि वो ये बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि कांग्रेस के अलावा कोई और दल सरकार कैसे चला सकता है। उनकी अंग भाषा में सत्ताधारी दल के लिएए पीएम के लिए एक तिरस्कार दिखता है। वो अहं ब्रह्मास्मि की मुद्रा में दिखते हैं।

अहं ब्रह्मास्मि बृहदारण्यक उपनिषद से लिया गया है, इस का अर्थ है मैं ब्रह्म हूँ। यह वाक्य अहंकार का नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार का प्रतीक है। अहं का अर्थ यहाँ सीमित मैं (इगो) से नहीं, बल्कि उस शुद्ध ज्ञान से है जो ज्ञान की अग्नि में अज्ञान को नष्ट कर देता है।

नेता प्रतिपक्ष की गरिमामयी कुर्सी की शोभा बढ़ा रहे राहुल गांधी को शायद अहं ब्रह्मास्मि को गलत अर्थों में समझा दिया गया है। 2 फरवरी, 2026 को लोकसभा में राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से उद्धरण देने की कोशिश की। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने इसे गलत बताया, अनुमति मांगने की बात की तो राहुल गांधी भड़क गये।

अप्रकाशित दस्तावेज उद्धरण पर बहस करते हैं। ये काम नियम 349 का उल्लंघन माना गया क्योंकि सदन में अप्रकाशित सामग्री उद्धृत नहीं की जा सकती। इस किताब को लेकर बहुत विवाद हुआ। इतना विवाद हुआ कि संसद के कई दिन इसकी भेंट चढ़ गए। मुद्दे नहीं उठे, दिखा तो अंह का प्रदर्शन, बेबाक बेवजह बेधड़क और बेजरूरत। इसके बाद जब सदन शुरु हुआ और नेता प्रतिपक्ष ने सदन में भाषण दिया तो उनके भाषण के दौरान कांग्रेस सांसदों ने स्पीकर की ओर कागज फेंके, जिससे हंगामा हुआ और कई सांसद सस्पेंड हो गए।

नेता प्रतिपक्ष जब बोलते हैं तो नेता सदन भी बैठ जाते हैं, उनकी पार्टी के नेता कागज नहीं उड़ाते। पर सयंम पर अहं भारी दिखा। ये दृश्य देश की सबसे बड़ी पंचायत में आम नहीं है, ये राज्य की विधानसभाओं में अकसर देखे जाते हैं। फिर कुछ ऐसे दृश्य भी दिखे, ऐसी घटनाएं हुईं जो कभी नहीं होती हैं। सांसद पीएम की सीट घेरते हैं, पीएम संसद में वक्तव्य नहीं देते, मोशन पास हो जाता है।

नेता प्रतिपक्ष जब 8 फरवरी, 2026 को स्पीकर चैंबर से कमिटमेंट का दावा किया, पूछा लने देंगे या नहीं, एक तरह से चुनौती दी। इसी तरह एक दृश्य जो पहले नहीं दिखा था वो था 10-11 फरवरी, 2026 का एक वीडियो। सरकार ने इसे जारी कर दावा किया कि इस दिन 20-25 कांग्रेस सांसदों ने स्पीकर ओम बिरला के चैंबर में जबरन प्रवेश कर अभद्र भाषा का उपयोग किया और अवैध वीडियो रिकॉर्डिंग करते हैं। आक्रामक मुद्रा अपनाते हैं जो पहले कभी नहीं देखी गई। अपने भाषण में उन्होंने मंत्री हरदीप पुरी पर एपिस्टीन से संबंध का दावा किया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री मोदी पर देश बेचने जैसे व्यक्तिगत आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत को बेच दिया और यह 1.5 अरब भारतीयों का आत्मसमर्पण है, बिना प्रमाण या पूर्व सूचना के।

दरअसल राहुल गांधी अपने राजनीतिक अवतार को सिद्ध करने के लिए लगातार इंप्रोवाइज करते हैं। कभी अपनी ही सरकार का पारित बिल सदन के बाहर फाड़ देते हैं, कभी रैलियों में सादे कागज को बिल बताकर फाड़ते हैं, कभी ठंड में टीशर्ट पहनकर माचो बनने की कोशिश करते हैं। कभी नरेगा के मजदूर के साथ मिट्टी उठाने लगते हैं। कभी राफेल पर ऐसे आरोप लगाते हैं जिन्हें सुप्रीम कोर्ट खारिज कर देता है, कभी चौकीदार चोर है के नारे लगाते हैं। राहुल गांधी इन दिनों पीएम मोदी पर व्यक्तिगत आरोप के फार्मूले को अपना रहे हैं। शायद उनके इमेज ब्रांडिंग करने वालों ने इसे मोदी के व्यक्तिगत के सामने खड़े रहने का तरीका बताया है, पर उन्हें इसके लिए जुड़ना होगा, अपने लोगों से, अपनी जनता से, अपना आप से और अपने कार्यकर्ताओं से। राहुल गांधी की कोर टीम के कई बड़े कांग्रेसी नेता उनके अहं को कांग्रेस के वयं से बड़ा बताते रहे हैं।

हर धर्मग्रंथ में अहंकार को गलत बताया गया है। कुरान की सूरह अन नहल में लिखा है अभिमान करने वालों को पसंद नहीं करता यानी जो अपनी दौलत, पद या काबिलियत के कारण दूसरों को नीचा समझता है, वह अल्लाह के नापसंद लोगों में है पर कुर्सी चीज ही ऐसी है। सत्ता के लिए संसद की शुचिता को तार तार करने का क्रम इन दिनों बदस्तूर जारी है।

अनुराग शुक्ला, लेखक व स्वतंत्र पत्रकार।

सम्पूर्ण सृष्टि एक ही परिवार

मदन सिंह काला

ईश्वर मनुष्य की ही एक अवधारणा है। इस अवधारणा के भरोसे ही रह जाने पर, प्रकृति के अन्वेषण की, मनुष्य प्रवृति रुक जाती है। अतः हमें विरासत में मिले शब्द 'श्रद्धा,आस्था और विश्वास' किसी व्यक्ति का धन्धा न बन जाए और इससे मानव जाति की तर्क करने की प्राकृतिक शक्ति समाप्त न हो जाए और परिणामस्वरुप हम डरपोक, कायर व नकारा न बन जाए, इसके प्रति हमें जागरूक रहने की आवश्यकता है। यदि हम सावधान नही रहेंगे तो हमारे ऐसे भाई-बहिन जो इस तरह के कार्यों को अपना व्यवसाय बना लेते हैं तथा वे अज्ञानी एवम् मासूम लोगों को चमत्कार का (अनहोनी) का लालच देकर उनकी मतिभ्रम कर, उन्हे सत्य व मेहनत के मार्ग से भटका देने में मनोवैज्ञानिक महारत हासिल कर लेते हैं। ऐसी स्थिति पैदा होना बहुत चिन्ताजनक है। ऐसी स्थिति उत्पन्न ही न हो इसके लिए हमें सदैव विवेकपूर्ण चिन्तन करते रहना चाहिए और सावधान रहना चाहिए।

हमारे जीवन काल में ही कोरोना वायरस ने यह सिद्घ कर दिया है कि इस धरती के सभी मानव एक 'मानव ईकाई' मात्र हैं। यदि इस धरा का एक भी मानव कोई शैतानी करता है तो उसके दुष्परिणाम सारी मानव जाति को भोगने ही पड़ते हैं। सभी मनुष्य जन्म से तो पवित्र ही पैदा होते हैं। उनकी आयु बढ़ने के साथ उनको जैसा देखने को मिलता है, वे सामान्यतः वैसा ही करते हैं। विश्व को सुखमय बनाने की एक अवधारणा 'वसुधैव कुटुंबकम' जिसका अर्थ है सम्पूर्ण सृष्टि एक ही परिवार है। इस त्रासदी के समाप्त होने के बाद विश्व को सकारात्मक विचारों के लोगों से एक कारगर दिशा मिलने की आशा करनी चाहिए जिससे सभी लोगों का स्वास्थ्य आनन्ददायक हो, वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित सर्वागीण विकास वाली शिक्षा हो, सब मनुष्य किसी सेवा करने के हुनर से सुसज्जित हो, सब एक-दूसरे मानव के रूप में सम्मान करे, मानवता हो, प्रकृति माँ का संवर्धन हो।

आज हम देख रहे हैं कि कुछ चतुर मानवों ने ही अपनी ईश्वरीय अवधारणा का लाभ देने के मकसद से बड़े-बड़े धार्मिक स्थल, मासूम लोगों की भावनाओं से खेलकर उन्हें मनोरोगी बनाकर, उन्हे विश्वास में लेकर कि उनको ये लाभ होगा, वह लाभ होगा का लालच देकर उनसे धन संग्रहीत कर, उन लोगों ने धार्मिक स्थलों को आजकल बड़े-बड़े व्यापर केंद्रों के रूप में स्थापित कर, चमत्कार के नाम पर अपनी पहचान बना चुके हैं। इन केन्द्रों में कोई तपस्वी नहीं है, इनमें कोई शक्ति नहीं है।

कोरोना वायरस से बचाने के लिए, इन केन्द्रों के मालिकों को अपनी शक्ति प्रयोग करना चाहिए था,परंतु ये सब असहाय सिद्ध हो चुके हैं। इनके पास संग्रहित धन आम जन की बचत है, इनके मालिकों को चाहिए कि वे सहर्ष इस अकूत सम्पदा को सरकारों को जनता की सेवा के लिए समर्पित कर, सकारात्मक उदाहरण पेश करने चाहिए।

-मदन सिंह काला,
रिटायर्ड आईएएस

राशिफल मंगलवार 17 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 9:16 तक, परिध योग रात्रि 12:19तक, नाग करण सायं 5:31 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:06 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज देव पितृकार्य अमावस्या, भौमवती अमावस्या, शिव खप्पर पूजा, मन्वादि है। पंचक प्रातः 9:06 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:53 से 11:17 तक, लाभ-अमृत 11:17 से 2:05 तक, शुभ 3:28 से 4:52 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:06, सूर्यास्त 6:16

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेंगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

अजमेर । शहर की आरपीएससी कॉलोनी स्थित भगवान श्री अमरेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। प्रात: से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरे दिन शिव भक्ति की अविरल धारा बहती रही। सायं 4 बजे भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भजन गायिका हेमा जी ने भगवान भोलेनाथ के एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंदिर समिति के पदाधिकारी गिरधर मोहन शर्मा व राजेश जैन ने बताया कि मंदिर के नव निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य में अमरदीप परिवार के सभी सम्मानित सदस्यों एवं भामाशाहों का विशेष सहयोग रहा है। परिवार के सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे अपने परिवार सहित मंदिर के धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा सनातन परंपराओं को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। आयोजन के माध्यम से समाज में धार्मिक एकता, समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

जनगणना के आंकड़े ही भावी भारत की नींव : कलेक्टर

अजमेर, (निसं)। भारत की आगामी 16वीं जनगणना-2027 (प्रथम चरण) के सुचारु संपादन के लिए सोमवार को सिविल लाइन्स स्थित डिजाइन ईकोल महाविद्यालय में पाँच दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ हुआ। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए जिला कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी लोक बंधु ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने उपस्थित नियमित सहायकों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए डेटा की गुणवत्ता और शुद्धता को जनगणना की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि जनगणना महज आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राष्ट्र के विकास का दर्पण है। अगले एक दशक तक देश की खाद्य सुरक्षा, आवास और शिक्षा जैसी तमाम कल्याणकारी योजनाएं इन्ही आंकड़ों पर निर्भर करेंगी। अत: एक भी गलत एंट्री या लापरवाही, विकास की दिशा को प्रभावित कर सकती है।

सिविल लाइन्स स्थित डिजाइन ईकोल महाविद्यालय में पाँच दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ हुआ।

डिजिटल क्रांति की शुरूआत: जिला कलक्टर ने कहा कि भारत में जनगणना का कार्य वर्ष 1881 से निरंतर किया जा रहा है। वर्ष 2027 की यह 16वीं जनगणना ऐतिहासिक है क्योंकि यह देश की पहली पूर्णत: डिजिटल जनगणना होगी। अब हम कागज-पेन से आगे बढ़कर मोबाइल ऐप्स और सीएमएमएस पोर्टल के युग में प्रवेश कर चुके हैं। यह पेपरलेस प्रक्रिया की ओर एक ऐतिहासिक कदम

- अजमेर में 16वीं जनगणना (डिजिटल) का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आरम्भ

है। उन्होंने सभी तकनीकी सहायकों को निर्देश दिए कि वे मोबाइल ऐप और सीएमएमएस पोर्टल की बारीकियों को गंभीरता से समझें। इससे फील्ड में जीरो एरर के साथ कार्य संपन्न हो सकेगा।

नीति निर्माण की आधारशिला है डेटा: डेटा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि ये केंद्र और राज्य सरकारों के नीति-निर्माण का आधार हैं। बजट का आवंटन और विभिन्न सेक्टर्स के लिए कल्याणकारी योजनाएं इन्हीं आंकड़ों पर निर्भर करती हैं।

लैंगिक समानता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

अजमेर, (कासं)। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा लिंग आधारित हिंसा रोकथाम अभियान के अंतर्गत पाठशाला पाबूतान में एक दिवसीय लैंगिक समानता जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बालिकाओं व ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी रही।

कार्यक्रम के दौरान रैली, नुक्कड़ नाटक एवं सामूहिक शपथ के माध्यम से लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध संदेश दिया गया। साथ ही नवजात बालिकाओं की माताओं को सम्मानित कर बेटियों के महत्व को रेखांकित किया गया। ग्राम सरपंच को संस्थान की ओर से ज्ञापन सौंपकर समानता व सुरक्षा से जुड़े सुझाव रखे गए। इस आयोजन में लगभग 50 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान टीम, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर तोताराम उदयवाल व पाठशाला स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।

NAME CHANGE

I, Army No. 15822206L, HAV, Om Prakash Residing at Vill:- Bhanpur, Po:- Imalia, Teh:- Huzur, Distt:- Bhopal, M.P, Pin:-462010 have change my Father's name from Suresh to Suresh Prajapati vide affidavit no. CA 331864 dt 16/02/2026 at court campus Nasirabad

आम सूचना

मेरे चाचा महावीर पुत्र भैरू जाति भील निवासी ग्राम अलमास की मृत्यु दिनांक 01.01.2001 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अलमास में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत देवपुरी में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे चाचा महावीर भील का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।
- प्रार्थी- कानाराम पुत्र तेजू भील, ग्राम अलमास तहसील अरांई,अजमेर

NAME CHANGE

I,SHIHANTI DEVI is real Mother of No-JC-303021A, SUB(TIR) BIPIN KUMAR of 501 AD MSL REGT (MRSAM) C/O 56 APO.Nawada, Bihar,805130, have changed my name from SHIHANTI DEVI to SIHANTA DEVI,in my son's army service records.aff-CF 345398.date-14 Feb 2026.Before Notary AD Mohammad Javed Nasirabad

NAME CHANGE

I,RAMASHRYA SINGH is real Father of No-JC-303021A,SUB(TIR) BIPIN KUMAR of 501 AD MSL REGT (MRSAM) C/O 56 APO.Nawada, Bihar,805130,have changed my name from RAMASHRYA SINGH to RAMASHRAY SINGH,in my son's army service records.aff-CF 345396.date-14 Feb 2026.Before Notary AD Mohammad Javed Nasirabad

NAME CHANGE

I,Army No. 15822206L, HAV, Om Prakash Residing at Vill:- Bhanpur, Po:-Imalia, Teh:- Huzur, Distt:- Bhopal, M.P, Pin:- 462010 have change my Mother's name from Kiran Bai to Kiran vide affidavit no. CA 331862 dt 16/02/2026 at court campus Nasirabad

सार-समाचार

रोडवेज कर्मचारियों का धरना शुरू

अजमेर, (कासं)। राजस्थान स्टेट रोडवेज एम्प्लाइज यूनियन ने प्रदेश की सभी रोडवेज इकाइयों पर 16 एवं 17 फरवरी को दो दिवसीय धरना देने की घोषणा के तहत सोमवार से अजमेर में रोडवेज कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर दो दिवसीय धरना शुरू किया है। बजरंग लाल शर्मा ने बताया कि यूनियन ने प्रबंध निदेशक, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जयपुर को ज्ञापन सौंपकर रोडवेज उद्योग एवं कर्मचारियों की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। ज्ञापन में कर्मचारियों की ज्वलंत मांगों और समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। यूनियन के अनुसार वर्तमान में रोडवेज के पास 2580 बसें हैं, जिनमें से लगभग 850 बसें पूरण रूप से कंडम हो चुकी हैं। इस प्रकार केवल 1730 बसें ही मार्गों पर संचालित हो पा रही हैं। आगामी समय में लगभग 200 नई बसें शामिल होने पर बसों की संख्या 1930 होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त 810 अनुबंधित बसें भी संचालित की जा रही हैं, जिससे कुल मिलाकर 2740 बसें मार्गों पर चल रही हैं। कर्मचारी संख्या को लेकर भी यूनियन ने चिंता जताई है। सभी वर्गों में स्वीकृत पदों की संख्या 22,527 है, जबकि वर्तमान में केवल 10,142 कर्मचारी कार्यरत हैं। इस प्रकार 12,385 पद रिक्त हैं। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

आज दो पारियों में होगी परीक्षा

अजमेर,(कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मंगलवार 17 फरवरी को दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। सुबह की पारी में माध्यमिक एवं दोपहर की पारी में उच्च माध्यमिक परीक्षा होगी। ंबोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि माध्यमिक कक्षा के सामाजिक विज्ञान विषय की परीक्षा 17 फरवरी को प्रात: 8.30 से 11.45 तक आयोजित होगी। वहीं उच्च माध्यमिक परीक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत आंशिक संशोधन किया गया है। 17 फरवरी को कम्प्यूटर विज्ञान (03)/इन्फोरमेटिक्स प्रेक्टिसेस (04) विषय की सैद्धान्तिक परीक्षाएँ जो प्रात: 8.30 बजे से प्रात: 11.45 होनी थी। अब यह परीक्षा मध्यान्ह 2 बजे से सायं 05.15 तक आयोजित की जाएगी। अत: सभी विद्यालय एवं परीक्षार्थी सूचित होंवे।

महामंडलेश्वर देव प्रकाश का वर्षिक निर्वाण दिवस मनाया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। चन्द्रा कॉलोनी स्थित सतगुरु बालक धाम सनातन मंदिर में शिवरात्रि पर्व के साथ महामंडलेश्वर देवप्रकाश का निर्माण दिवस श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। महिलाओं ने सुमधुर भजनो की प्रस्तुति दी। नितनेम आरती अरदास के बाद प्रसाद वितरण किया। हरकिशन उदासी ने बताया पं. देवीलाल शास्त्री के सानिध्य में हवन यज्ञ शुरू किया। वैदिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना के पश्चात अग्नि प्रज्वलित कर हवन में सभी भक्तों ने आहुतियां दी। महामंडलेश्वर देवप्रकाश के 67वें निर्वाण दिवस पर झांसी से आये कलाकार भगत उदयराज द्वारा प्रस्तुत भजनों पर भक्तगण मंत्रमुग्ध हो गये। महंत श्यामदास उदासी ने आश्रम का गीत दीन्दो दीन्दो वदिअ दिल सां दीन्दो बाबा बालकदास कीन छदीन्दो गाया। पाठ की पूर्णाहुति के बाद आरती आनंद साहिब का पाठ कर नितनेम पूर्ण किया। लंगर सेवा अहिलानी परिवार द्वारा की गई। महोत्सव में अजमेर, जयपुर, ब्यावर, मालपुरा से अनेक भक्त शामिल हुए। इस दौरान समाजसेवी चेतन दलवानी, खेमचंद गुरनाणी, डॉ. किशोर मगनानी, राजेश मनवानी, नरेश मंगलानी, चिमनदास बुधवानी, प्रेम मंगनानी, राजू पागरानी, हरिकिशन अहिलानी, किशोर वासवानी, कमल, रमेश, मोनू गुंगवानी आदि ने व्यवस्था में भागीदारी सुनिश्चित की।

जमीन विवाद में एक की मौत

अजमेर, (कासं)। मदन सिंह रावत के परिवार में लंबे समय से चल रहा संपत्ति विवाद सोमवार को हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें छोटे पुत्र की मौत हो गई। मामला आदर्शनगर थाना क्षेत्र के परबतपुरा स्थित विकास नगर का है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक के भाई एडवोकेट पुष्पेंद्र सिंह रावत ने रिपोर्ट दी है कि सोमवार सुबह करीब 7 बजे उनके भाई एडवोकेट बलवीर सिंह रावत के हिस्से वाले मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। गेट लगाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान बड़े भाई भगवान सिंह रावत अपनी पत्नी लाली देवी और बच्चों के साथ कार से वहां पहुंचे और निर्माण स्थल के सामने वाहन खड़ा कर काम रुकवा दिया।

इस्तकबाल ए रमजान कार्यक्रम आयोजित

ब्यावर (निसं)। जमाअत ए इस्लामी हिंद ब्यावर की ओर से करबला मार्ग में इस्तकबाल-ए-रमजान प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, उलेमा ए किराम और अइम्मा ए मसाजिद ने शिरकत की।कार्यक्रम की शुरुआत मौलाना शरीफुल हसन ने तज़्कीर बिल कुरआन से की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ जावेद हुसैन ने रमज़ान माह की फ़ज़ीलत और अहमियत पर बोलते हुए बताया कि रमज़ान इंसान के अंदर तब्दीली और इंकलाब का महीना है। इस महीने में अल्लाह ने हर बालिग मुसलमान मर्द व औरत पर पूरे तीस दिनों के रोज़े अनिवार्य किए हैं।यह महीना प्रशिक्षण एवं तरबियत का महीना है जिसमें मुसलमान रोज़े के दौरान अपने अंदर से हर तरह की बुराइयों और कमजोरियों को दूर करने की और अपने अंदर तक्वा, परहेजगारी और ईश-परायणता पैदा करने की कोशिश करता है।

पूर्व चेयरमैन शाहिद हसन का स्वागत

मदनगंज-किशनगढ (निसं)। बार कौंसिल पूर्व चेयरमैन सैय्यद शाहिद हसन के किशनगढ पहुंचने पर किशनगढ़ बार एसोसिएशन द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया। अध्यक्ष दिनेश जाट ने अधिवक्ताओ से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। शाहिद हसन ने उचित कार्यवाही के लिये आश्वस्त करते हुए कहा की प्रांतीय स्तर पर बातचीत जारी है। इस दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश कुमार जाट, अधिवक्ता चालक सिंह बारहट, मोहम्मद हुसैन माजवी, हीरालाल चौधरी, याकूब हनफी, उमराव चौधरी, नासिर हुसैन, जगदीश गोरा, राहुल भवरिया, जगदीश चौधरी, राकेश शर्मा, अब्दुल मजीद, आरिफ मोहम्मद, महेंद्र चौधरी, दशरथ वैष्णव, मोहम्मद खालिद, हसन राजा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

119वां कन्यादान कार्यक्रम

ब्यावर (निसं)। श्रीमद् भागवत प्रभात फेरी परिवार द्वारा पिछले 18वर्षों से जारी कन्यादान कार्यक्रम के तहत बुधवारको प्रात: 7.20 पर स्थानीय रघुनाथ जी के मंदिर पर 119वाँ कन्यादान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसके तहत विवाह योग्य तीर्थराज पुष्कर की 153 वीं कन्या का कन्यादान किया जाएगा। प्रभात फेरी संयोजक संजय घीया ने जानकारी देते हुए बताया बताया कि प्रभात फेरी परिवार द्वारा चयनित परिवार का विवाह योग्य कन्या का कन्यादान बडे ही धूमधाम से किया जाता है। परिवार द्वारा कन्यादान का खर्च अपने स्तर पर ही किया जाता है ।

एमडीएस के छात्रों ने शुरू किया पाक्षिक ई- बुलेटिन

अजमेर, (निसं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में शैक्षणिक नवाचार अब कक्षा से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुँच रहे हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रथम सेमेस्टर की नेहा शर्मा, मानसी माहेश्वरी और लोकेश कश्यप ने प्रायोगिक आधार पर एक पाक्षिक ई-बुलेटिन प्रकाशित कर विश्वविद्यालय में डिजिटल पत्रकारिता की नई शुरुआत की है। इस ई-बुलेटिन का औपचारिक लोकार्पण कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। इस नवाचार का पहला अंक महर्षि दयानंद सरस्वती की 202 वीं जयंती को समर्पित रहा, जिसमें उनके वैदिक दर्शन, समाज सुधार आंदोलन और आधुनिक भारत के लिए उनके विचारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया।

- इस ई-बुलेटिन का औपचारिक लोकार्पण कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया

लोकार्पण अवसर पर कुलगुरु ने कहा कि 'सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रैक्टिकल उपयोग ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मूल भावना है। ऐसे प्रयास छात्रों को भविष्य के मीडिया प्रोफेशनल्स के रूप में तैयार करते हैं।'

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षकों ने भी छात्रों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा की यह पाक्षिक ई- बुलेटिन विश्वविद्यालय की गतिविधियों, शोध कार्यों और अकादमिक नवाचारों को साझा करने का एक आधुनिक माध्यम बनेगा और छात्रों की रचनात्मक क्षमता को नई दिशा देगा।

अमृता हाट मेले का भव्य शुभारंभ, लाडो योजना के मस्कट का हुआ विमोचन

अजमेर, (निसं)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संभाग स्तरीय अमृता हाट मेले का भव्य शुभारंभ सोमवार को अरबन हाट में किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी रहे।

अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर महिला उद्यिमयों से संवाद किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी द्वारा गणेश प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा

- महिला शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला : चौधरी

कि महिला शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। महिलाएं आज स्वरोजगार के माध्यम से न केवल अपने परिवार का संबल बन रही हैं, बल्कि राज्य व देश की आर्थिक प्रगति में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यिमयों द्वारा निर्मित हस्तनिर्मित उत्पाद पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के कल्याण, आत्मरक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति संवेदनशील व प्रतिबद्ध है तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र वर्ग तक पहुँचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर विभाग की फ्लैगशिप लाडो प्रोत्साहन एवं सम्मान योजना के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश में पहली बार तैयार किए गए मस्कट का भी विमोचन किया गया। इसे महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढाने के एक नवाचार के रूप में देखा जा रहा है। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त दीप्ति शर्मा ने कहा कि अमृता हाट जैसे मंच महिला स्वयं सहायता समूहों को विपणन का अवसर प्रदान कर उनकी आय बढाने एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह सात दिवसीय मेला नारी शक्ति की उद्यमशीलता, सांस्कृतिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता का उत्सव बनकर उभरेगा ।

महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक मेघा रतन ने अमृता हाट के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह आयोजन महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिला उद्यिमयों द्वारा निर्मित मूल्य संवर्धित उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन तथा उनकी विशिष्ट पहचान स्थापित करने का सशक्त मंच है।

एआई आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी

अजमेर, (कासं)। शहर में रात के समय तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए ट्रैफिक पुलिस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की तैयारी की है। इसके तहत 45 अत्याधुनिक कैमरे लगाने का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय को भेजा गया है।

ये कैमरे शहर की 10 प्रमुख सड़कों पर लगाए जाएंगे, जिनमें वैशाली नगर रोड, माकड़वाली रोड, पुष्कर रोड, पंचशील रोड, लोहागल रोड, सीआरपीएफ पुलिया, एलिवेटेड रोड, स्टेशन रोड, शास्त्रीनगर रोड और रामगंज रोड शामिल हैं। ट्रैफिक विभाग के अनुसार रात 12 बजे से सुबह 4 बजे के बीच ओवरस्पीडिंग और सड़क दुर्घटनाओं के मामले अधिक सामने आते हैं।

वर्तमान में दिन के समय इंटरसेप्टर वाहनों के माध्यम से चालान की कार्रवाई की जाती है, लेकिन रात में निगरानी चुनौतीपूर्ण होती है। नई प्रणाली के तहत कैमरे अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़े रहेंगे और कम रोशनी में भी वाहन की गति तथा नंबर प्लेट को रिकॉर्ड कर सकेंगे। सिस्टम की विशेषता यह होगी कि निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार होने पर वाहन स्वत: चिन्हित हो जाएगा और वाहन स्वामी के पते पर ई-चालान जारी कर दिया जाएगा। गंभीर उल्लंघन की स्थिति में एफआईआर दर्ज करने का भी प्रावधान रहेगा। पुलिस का कहना है कि इस व्यवस्था से 24 घंटे निगरानी संभव होगी और सड़क सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से गूंजा 'जन-जन साक्षर' का संदेश

अजमेर(निसं)। भारत सरकार के उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सोमवार को अजमेर ग्रामीण ब्लॉक की ग्राम पंचायत भांवता में व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कला-जत्था द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन कर ग्रामीणों को साक्षरता के महत्व से अवगत कराया गया।

- कार्यक्रम के अंतर्गत कला-जत्था द्वारा नुक्कड़ नाटक का मंचन कर ग्रामीणों को साक्षरता के महत्व से अवगत कराया गया

चौपाल पर हुआ प्रभावी मंचन: गांव के चौपाल स्थित तेजाजी मंदिर के पास आयोजित इस कार्यक्रम में पीसांगन से आए कलाकार नाथूराम डांगी एवं उनकी टीम ने रोचक एवं संदेश प्रधान नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से महिलाओं और पुरुषों को शिक्षा के महत्व, निरक्षरता के दुष्परिणाम तथा साक्षर बनने के लाभों के बारे में जागरूक किया गया।

हास्य शैली में प्रस्तुत इस नाटक ने ग्रामीणों का भरपूर मनोरंजन करते हुए उन्हें डिजिटल साक्षरता और बैंकिंग साक्षरता की महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। कलाकारों ने बताया कि आज के दौर में बैंकिंग कार्य, ऑनलाइन लेनदेन, सरकारी योजनाओं का लाभ तथा मोबाइल आधारित सेवाओं के उपयोग के लिए साक्षर होना अत्यंत आवश्यक है।

'जन-जन हो साक्षर' का लिया संकल्प: कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने 'जन-जन हो साक्षर' का सामूहिक संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि साक्षरता केवल पढना-लिखना सीखना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक बनने की पहली सीढ़ी है।

शिक्षा विभाग और ग्राम पंचायत की सक्रिय भागीदारी: इस अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भांवता की प्रधानाचार्य पुष्पा धगैया, ग्राम पंचायत साक्षरता प्रभारी नेहा चंदेल, रतन लाल गुर्जर, मोहन लाल, किरण सिंह राठौड सहित विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति के मूल दस्तावेज गुम हो जाने पर फ्री होल्ड पट्टा जारी करने के क्रम मे आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर की पृथ्वीराज नगर में भूखण्ड संख्या एफ-49 मनोज जैन पुत्र लादूलाल आवंटित किया गया जिसका पट्टा क्रमांक 12792 दिनांक 11.11.10 को जारी किया गया। मूल आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर बेचान लेखचन्द्र जैन पुत्र कपूर चन्द को बेचान किया गया। भूखण्ड संख्या एफ-49 पृथ्वीराज नगर अजमेर द्वारा शपथ पत्र व गुमशुदगी रिपोर्ट प्रस्तुत कर अवगत कराया की मूल पट्टा/लिज दस्तावेज गुम हो गए है। अत: भूखण्ड संख्या एफ-49 पृथ्वीराज नगर अजमेर की फ्री होल्ड पट्टा लेखचन्द्र जैन पुत्र कपूरचन्द्र के पक्ष में जारी किये जाने से किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें उक्त नियत अवधि के पश्चात आपत्ति स्वीकार नहीं होगी फ्री होल्ड का पट्टा जारी कर दिया जावेगा। - योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक: नियमन/25-26/1968 आम सूचना दिनांक-16.01.26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महेन्द्र साहू पुत्र श्री छोटूलाल साहू निवासी आसरख कॉलोनी, मिर्ची का चौड़ा, ब्यावर द्वारा राजस्व ग्राम नयानगर के खसरा नम्बर 1919 व 1920 में स्थित कल्याण कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 02 कुल क्षेत्रफल 185.00 वर्गगज भूमि का आवासीय लीज होल्ड से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ फ्री होल्ड पट्टा विलेख हेतु आवेदन किया गया है। अत: इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमाएं (साईट प्लान के अनुसार)

पूर्व- प्लाट नं. 09 पश्चिम- आम रास्ता ब्यावर-भीम मार्ग

उत्तर- प्लाट नं. 01 दक्षिण- रोड 30 फीट - आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) किशनगढ़ जिला अजमेर

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक खातेदार चम्पा पत्नि नन्दा उर्फ जगन्नाथ जाति नट निवासी ग्राम कुचिल तहसील किशनगढ़ की ग्राम कुचिल में खसरा नम्बर 562 रकबा 1.416 हैक्टे. हिस्सा पूर्ण भूमि स्थित है प्रार्थीया सुमित्रा देवी पत्नि स्व0 बजरंग जाति नट निवासी ग्राम शरेगढ़ तहसील सरवाड़ जिला अजमेर ने नोटेरी वसीयत दिनांक 06.12.186 का नामान्तरकरण खोलने हेतु निवेदन किया। मृतक खातेदार चम्पा पत्नि नन्दा उर्फ जगन्नाथ जाति नट के वसीयत के नामान्तरकरण बाबत् प्रकरण राजस्थान भू0 राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के अन्तर्गत प्रकरण संख्या 1/2026 दर्ज कर अद्योहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय मे विचाराधिन है। वसीयतग्रहिता बजरंग पुत्र रामा जाति नट की दिनांक 04. 0.201 को मृत्यु हो जाने से इसके वारिसान (आवेदक द्वारा बताये गये अनुसार) निम्नानुसार है।

बजरंग पुत्र रामा

प्रेम देवी (पत्नि)	सुमित्रा	जनता	रिंकू	चुका	भारत	जगदीश	खुशबु	पुष्पा	किस्मत
नाऔलाद फोत	पत्नि	पुत्री	पुत्री	पुत्री	पुत्र	पुत्र	पुत्री	पुत्री	पुत्री

उपरोक्त वारिसान अनुसार नामान्तरकरण खोले जाने के सम्बध में किसी व्यक्ति को कोई उजर/ऐतराज हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि मे न्यायालय तहसीलदार किशनगढ के यहा न्यायालय समय मे उपस्थित होकर अपना उजर/ऐतराज मय साक्ष्य/सबूत के प्रस्तुत करे। उक्त निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत होने वाले उजर/ऐतराज स्वीकार नही किये जायेंगे तथा नामान्तरकरण की कार्यवाही निर्धारित अवधि के पश्चात कर दी जायेगी।

- तहसीलदार(भू.अ.) किशनगढ, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद् कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com

फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2025-26/7567 लोक सूचना दिनांक :- 16-02-2026

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्री दिलीप सिंह पुत्र भवानी सिंह, श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र सोहन सिंह, श्रीमती मधु कंवर पत्नी शैतान सिंह, श्री रविन्द्र प्रताप सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, श्री शक्ति प्रताप सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह, श्रीमती सुरेशस कंवर पत्नी राम सिंह	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन	पनवाड़ी	384/98	1.2000 Hq.
2.	श्री पूरण सिंह रणवां पुत्र मोतीराम जाति जाट	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन	टोरड़ा	1422/1126 308	0.1300 Hq. 0.5500 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 16-02-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

एवीवीएनएल का अधीक्षण अभियंता पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

अजमेर के हाथीभाटा पावर स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय में हड़कंप मचा

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अजमेर में अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) के अधीक्षण अभियंता बाबूलाल को पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी अजमेर इकाई द्वारा की गई। एसीबी की इस कार्रवाई से हाथीभाटा पावर स्थित अधीक्षण अभियंता बाबूलाल के कार्यालय में तैनात कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ और सूत्रों का मनना है कि अगर एसीबी इस जांच को आगे बढ़ाती है तो भ्रष्टाचार के ओर भी कई खुलासे हो सकते हैं और इस कार्रवाई को लेकर कई अधिकारियों में भय का मौहाल भी बना हुआ है।

रिश्वत का आरोपी अधीक्षण अभियंता बाबूलाल।

- एक परिवादी की फर्म को पूर्व में जारी किए गए वर्क ऑर्डर से संबंधित कार्यों में सहायता करने और लाभ पहुंचाने की एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अधीक्षण अभियंता बाबूलाल, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में पदस्थ है। आरोपी ने एक परिवादी की फर्म को पूर्व में जारी किए गए वर्क ऑर्डर से संबंधित कार्यों में सहायता करने और लाभ पहुंचाने की एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। परिवादी लगातार रिश्वत की मांग से परेशान था, जिसके बाद उसने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद 11 फरवरी 2026 को एसीबी टीम द्वारा शिकायत का सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान यह पुष्टि हुई कि आरोपी अधीक्षण अभियंता द्वारा दो लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है, इसके बाद एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई।

50 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया :- 16 फरवरी को एसीबी अजमेर की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपित बाबूलाल को परिवादी से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की राशि प्राप्त की, एसीबी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ ही रिश्वत की राशि भी मौके से बरामद कर ली गई। यह पूरी ट्रैप कार्रवाई एसीबी अजमेर रेंज के पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत के सुपरविजन में की गई। कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी, निरीक्षक मीरा बैनीवाल तथा एसीबी की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपित बाबूलाल से पूछताछ की जा रही है। एसीबी ने बाबूलाल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की संपत्ति और अन्य मामलों की भी जांच की जा सकती है। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की बड़ी सफलता माना जा रहा है। एसीबी ने स्पष्ट किया है कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भीलवाड़ा में 5.70 लाख का मादक पदार्थ जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। माण्डल थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने संयुक्त रूप से एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने माण्डल-शाहपुरा रोड पर नाकाबंदी के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 50.68 ग्राम मेथीलीन डाईऑक्सी एम्फीटामाईन बरामद की है। जब्त की गई इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5 लाख 70 हजार रुपये बताई जा रही है।

माण्डल थानाधिकारी रोहिताश्व सिंह व प्रभारी टीम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। 14 फरवरी को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर थानाधिकारी माण्डल मय जाप्ता ने माण्डल चौराया से शाहपुरा तिराया की तरफ जाने वाली सर्विस रोड पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक एच.एफ. डिलक्स मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने जब उन्हें रोककर तलाशी ली, तो उनके पास से 50.68 ग्राम अवैध एमडीए बरामद हुई। पुलिस ने ड्रग्स के साथ ही घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में शिवराज जाट (40) पुत्र देवीलाल जाट निवासी बांसा का खेड़ा थाना बनेड़ा, सुरेश बलाई (37) पुत्र देवीलाल बलाई निवासी सोलबिघा आरजिया थाना माण्डल को गिरफ्तार किया है।

देवनानी ने भिवाड़ी अग्निकांड पर शोक जताया

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भिवाड़ी में एक केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने को कहा कि दर्दनाक हादसे में मृत्यु हो जाने की खबर अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदयविदारक है। देवनानी ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड धौलपुर

क्रमांकः-7260-7267 दिनांकः- 10.02.2026

NIB Code PWD2526A5223 UBN No. PWD2526WSOB21232

संशोधन - पत्र

आर.ओ. नं0 1231 दिनांक 23.01.2026

इस कार्यालय के पत्रांक 6911-27 दिनांक 16.01.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 15/2025-26, जो दिनांक 21.01.2026 से 10.02.2026 सांय 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 11.02.2026 को खोली जाने वाली निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 17.02.2026 तक बेची जाकर दिनांक 18.02.2026 को सांय 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

(नरेश चन्द मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर

DIPR/C/3142/2026

Office of The Executive Engineer, Water Resources Division, Kota

क्रमांक-EE/WR/Div./Acct./2025-26/3661-69 Date: 09/02/2026

NIT No.- 18/2025-26

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tender from eligible Bidders for the Works For Item No. 01 "Repair and Renovation of Anicut in Chhiparda Village Tehsil Digod District Kota" (Est. cost. Rs. 66.16 Lac) Item No. 02 "Repair and Renovation of Anicut in Sarola Village Tehsil Digod District Kota" (Est. cost. Rs. 57.89 Lac) Item No. 03 "Repair and Renovation of Anicut in Surela Village Tehsil Digod District Kota" (Est. cost. Rs. 57.89 Lac) for completion period 12 Months including rainy season are invited from interested bidders from 10.02.2026 (9:30 Hr) to 19.02.2026 till 18:00 Hr other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in and www.waterrajasthan.gov.in.

NIB CODE : WRD2526A0718
UBN NO.: Item No. 01- WRD2526WSOB02602
Item No. 02- WRD2526WSOB02603, Item No. 03- WRD2526WSOB02604

(Anil Meena)
Executive Engineer
Water Resources Division, Kota

DIPR/C/3072/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI

HQ TODABHIM (email :- eecsnpkaroli@gmail.com)

Sr. No. 7098-7107 **NOTICE INVITING BID** Date: 05/02/2026

Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 24.02.2026 other particular of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.

NIB CODE:- PHE2526A6180

S.N	NIT NO.	UBN NO
1	124/2025-26	PHE2526WSRC13243
2	125/2025-26	PHE2526WSRC13244
3	126/2025-26	PHE2526WSRC13245
4	127/2025-26	PHE2526WSRC13246
5	128/2025-26	PHE2526WSRC13247
6	129/2025-26	PHE2526WSRC13248
7	130/2025-26	PHE2526WSRC13249
8	131/2025-26	PHE2526WSRC13250
9	132/2025-26	PHE2526WSRC13251

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim

DIPR/C/2770/2026

डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हादसे के दौरान बाइक सवार के हाथ में हेलमेट था

जोधपुर, (कासं)। यातायात पुलिस आमजन की सुरक्षा के लिए हेमलेट पहनने की बार-बार हिदायत दे रही है। पुलिस और चालान के डर से लोग पहनते भी हैं, मगर बाद में सूने स्थान या रोड पर हेलमेट को हाथ में रखकर सफर करते हैं। ऐसे ही एक युवक हादसे का शिकार हो गया। हेलमेट उसके हाथ में था, संभवतः किसी डंपर की टक्कर से नीचे गिरा और सिर फट गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान आधार कार्ड के जरिए आरंभिक तौर पर की है। शव को एमजीएच मोर्चरी में रखवाया गया है।

बोरानाडा थाने के एएसआई दमाराम ने बताया कि सोमवार की दोपहर में एक युवक बोरानाडा पाल स्थित एक रेस्टारेंट के सामने से निकल रहा था। तब संभवतः किसी डंपर के चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उसका सिर फट गया और मौके पर ही मौत हो गई।

एएसआई दमाराम के अनुसार मृतक के हाथ में हेलमेट रखा हुआ था। उसके पहने हुए नहीं था। कपड़ों को चैक करने पर जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान आरंभिक तौर पर रिया बिलाड़ा निवासी चैनाराम पुत्र गिरधारीराम के रूप में हुई है। पूर्ण पहचान के प्रयास जारी है। फिलहाल शव को कार्रवाई के लिए एमजीएच की मोर्चरी में रखवाया गया है।

कार से 22 लाख का डोडा-चूरा जब्त, दो जनों को पकड़ा

यूपी नम्बर की कार से 147.840 किलोग्राम डोडा-चूरा जब्त किया

कोटा, (निसं)। सिमलिया पुलिस टीम ने नेशनल हाइवे 27 पर नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध मादक पदार्थ 147.840 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में 22 लाख कीमत बताई गई है।

- पुलिस की नाकाबंदी को तोड़कर कार सवार तस्करों ने भागने का भी प्रयास किया था

जानकारी के अनुसार मामले में सामने आया कि पुलिस की नाकाबंदी को तोड़कर कार सवार तस्करों ने भागने का भी प्रयास किया था, नाकाबंदी को तोड़कर भागने का प्रयास कर रहे कार सवार तस्करों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा और कार की तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद किया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि बारां की तरफ से यूपी नम्बर की एक कार में अवैध मादक पदार्थ है जिसकी सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक राजेश ढाका के सुपरविजन में टीम का गठन किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह ने मय जाप्त सिमलिया टोल प्लाजा के समीप नाकाबंदी की तभी बारां की तरफ से यूपी नम्बर की कार आती हुई दिखी जिसको रूकने का इशारा किया, पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार सवार को रोका और कार की तलाशी ली तो कार को मॉडिफाईड कर रखा था, जिसकी गहनता से जांच की गई तो उसमें अवैध मादक पदार्थ 147.480 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि जब्त मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में 22 लाख कीमत बताई गई है, पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला पटियाला पंजाब सईमाझर निवासी जसवंत सिंह एवं बग्गासिंह को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

खेजड़ी की हरी लकड़ियों से भरा ट्रक जब्त : तारानगर में अवैध हरि लकड़ियों के परिवहन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत तारानगर पुलिस ने हरी लकड़ियों से भरे ट्रक को जब्त किया है। थानाधिकारी सतपाल बिश्नोई बताया कि थाने की टीम जिसमें एएसआई रोहिताश, हरिदान, विकास कुमार, रणवीर एवं सरकारी चालक बलजिन्द्र कुमार आदि ने थाना क्षेत्र के गांव हड़ियाल पुलिया के पास हरियाणा के सिलावाली निवासी गोरधन पुत्र भूपसिंह धानक के कब्जे से हरी लकड़ियों से भरे मिनी ट्रक को जब्त कर कार्रवाई के लिए क्षेत्रिय वन अधिकारी को सूचना कर दी है।

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां

E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025

क्रमांक :-न0पा0छ0/2026/7991 दिनांक :- 10.02.2026

-:: NIT No 12/2025-26 ::-

NIB No-DLB2526B1453

Municipal Board Chhabra amount 32.55 Lacs invites online E-Tender by e-procument in prescribed format from registered Electrical contractor in appropriate category in Engineering department of Rajasthan Govt. Or eligible contractor as per PWFAR rules for following Works. Technical and financial bids/proposals from experienced, technicailly sound reputed bidders fulfilling eligibility criteria as described in the bid document. NIT can also seen on web portal at www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eprocument.rajasthan.gov.in.

क्र.सं.	UBN NO
1.	DLB2526WSOB33774
2.	DLB2526WSOB33775

राज.संवाद/सी/25/19860 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जन स्वा0 अभि0 विभाग नगर वृत कोटा

Phone No. 0744-2501104, Email: secircle.kot.phed@rajasthan.gov.in

ई-निविदा सूचना संख्या 38 से 40/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के उपयुक्त पंजीकृत संवेदकों से निविदा संख्या 38 से 40/2025-26 हेतु ई-निविदा द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र वेब साईट sppp.rajasthan.gov.in एंव http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें तथा डाउनलोड किये जा सकते है। http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 05.02.2026 प्रातः 9.00 बजे से 18.02.2026 सांय 6.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदा दिनांक 19.02.2026 को दोपहर 2.00 बजे उक्त वेबसाईट पर कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं तथा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएगी। इस निविदा सूचना संख्या 38 से 40/2025-26 में कुल 03 कार्य है, जिसकी अनुमानित लागत राशि रू. 155.00 लाख है।

NIB Code No.: PHE2526A6173, PHE2526A6174, PHE2526A6175
UBN Code No.: PHE2562WSRC13228, PHE2562WSRC13231
PHE2562WSRC13232
Mobile No. : 96368-88713

(दीपक कुमार झा)
अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा. अभि.विभाग
नगर वृत कोटा

DIPR/C/2764/2026

सड़क हादसे में एक घायल

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ में अजमेर-कोटा स्टेट हाईवे पर जगह-जगह हो रहे गड्ढों के चलते आए दिन दो पहिया वाहन चालक घायल हो रहे हैं। वहीं सोमवार को भी जगपुरा गांव के पास भीषण सड़क हादसे में कार व बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल हुए व्यक्ति को 108 एंबुलेंस की सहायता से केकड़ी जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। अजमेर कोटा स्टेट हाईवे व देवली कोटा स्टेट हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। आए दिन हो रही घटनाओं के चलते लोगों में रोष देखने को मिल रहा है। जगह-जगह सड़क टूटी होने के बावजूद टोलकर्मी टोल वसूल कर रहे हैं। कई बार क्षेत्र के लोगों ने सड़क पर हो रहे गहरे गड्ढे को लेकर अधिकारियों को अवगत भी कराया था। मगर इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

टोंक में रामसागर तालाब में मिली कार से दो युवकों के शव बरामद

टोंक, (निसं)। दूनी थाना क्षेत्र के आवां कस्बे में सोमवार को रामसागर तालाब से करीब डेढ़ महीने पहले लापता हुई एक कार बरामद की गई। कार के अंदर दो युवकों के शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गयें। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार और शवों को बाहर निकाला, जो कार में मिले दोनों युवक जनवरी महीने से लापता बताए जा रहे हैं।

- कार में मिले दोनों युवक जनवरी महीने से लापता बताए जा रहे हैं

प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवकों की 8 जनवरी को गुमशुदगी की रिपोर्ट बूंदी जिले के दबलाना थाने में दर्ज कराई गई थी। लंबे समय से परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। दोनों मृतक बूंदी जिले के रैण के निवासी हैं, दबलाना थाना क्षेत्र से और दोनों अपने दोस्त से मिलने खवासपुरा आए थे, 8 जनवरी रात में कहीं घूमने के लिए गाड़ी मांग कर ले गए। कार में मिले शव इतनी बुरी अवस्था में थे कि शरीर की चमड़ी तक गल गई थी।

देवली डीएसपी हेमराज ने बताया के बूंदी के दबलाना थाना क्षेत्र के रेण निवासी रमेश (43) पुत्र जगन्नाथ गुर्जर और महावीर (40) पुत्र सेवा गुर्जर उम्र 40 साल के शव रामसागर तालाब मिले। संभवत रास्ता भटकने से कार तालाब में चली गई, इसके बाद दोनों बाहर नहीं निकल पाए और दम घुटने से मौत हो गई। दोनों के शव कार की पिछली सीट पर मिले हैं।

लोगों की मदद से कार में मिले शवों को बाहर निकाला।

नाल में मिले बम को सेना ने सुरक्षित निष्क्रिय किया

नाल, (निसं)। यहां थाना क्षेत्र में हाल ही में मिले एक जिंदा बम को सेना की विशेषज्ञ टीम ने सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया।

तेज धमाके के साथ हुए इस निस्तारण से आसपास के लोग सहम गए। यह बम 4 जनवरी को किशनघाट इलाके के पास एक नर्सरी के सामने जोगियों की बस्ती में जमीन में आधा धंसा हुआ मिला था।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस और सेना ने मौके पर पहुंचकर बम को अपने कब्जे में ले लिया। नाल पुलिस ने 24 इन्फैंट्री डिवीजन से संपर्क किया। लेफ्टिनेंट कर्नल सागर देशपांडे और मेजर अमित मुंडे के नेतृत्व में सेना की विशेषज्ञ टीम सोमवार को घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने इन-सीटू नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से बम का सुरक्षित निस्तारण किया।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी(ML 02)/2026/ई-14327

ई-नीलामी विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-ना के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
जोधपुर	बालेसर	विजयनगर	सैण्ड स्टोन	7
चित्तौड़गढ़	गंगरार	कोजुन्दा	चाइना क्ले व मेसेनरी स्टोन	4
चित्तौड़गढ़	बड़ी सादड़ी	निकुम्भ	क्वार्टजाईट	5
चित्तौड़गढ़	निम्बाहेड़ा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन	5
बून्दी	तालेड़ा	पराना	सैण्ड स्टोन	3
फलोदी	आऊ	भोमनगर	मार्बल	10
चितौडगढ	बेंगू	काटुन्दा, पटवार हल्का काटुन्दा	मेसेनरी स्टोन	17
चित्तौड़गढ	गंगरार	जवालियो का खेड़ा	मेसेनरी स्टोन	3
		कुल प्लॉट		54

विशेष नोटः-
1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

(महावीर प्रसाद मीणा)
निदेशक

DIPR/C/2965/2026

बोलेरो की टक्कर से बालिका की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती कुड़ी होद में पांच साल की मासूम की बोलेरो की टक्कर लगने से मौत हो गई। वह दौड़कर अचानक सड़क पर आ गई और एक बोलेरो की चपेट में आ गयी। अस्पताल लाए जाने के बाद उसकी मौत हो गई। इस बारे में उसके चाचा की तरफ से कुड़ी थाने में रिपोर्ट दी गई है। कुड़ी भगतासनी पुलिस ने बताया कि अंबे नगर, कुड़ी निवासी भागीरथ पुत्र किशोरपाल प्रजापत की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसकी पांच वर्षीय भतीजी तनीषा कुड़ी होद के पास में एक बोलेरो की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अनुसार वक्त घटना बच्ची के परिजन साथ ही थे और वह अचानक से दौड़ कर सड़क पर आ गई थी। बोलेरो की टक्कर लगने से उसकी मौत हो गई। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया।

चारागाह भूमि पर अवैध पेड़ों के कटान पर एनजीटी सख्त

कलैक्टर सहित सात को नोटिस जारी, जॉइंट कमेटी गठित कर रिपोर्ट मांगी

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा तहसील में पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक बड़ा मामला सामने आया है। बामनिया गांव में सैकड़ों बीघा चारागाह भूमि से लाखों विलायती बबूल सहित अन्य कीमती पेड़ों के अवैध कटान व उनसे कोयला बनाने के गंभीर प्रकरण में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेंट्रल जोन बेंच, भोपाल ने कड़ा रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने इस मामले को पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा मानते हुए तत्काल प्रभाव से एक उच्च स्तरीय संयुक्त जांच समिति का गठन कर दिया है। इसके अलावा कलैक्टर सहित सात जनों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

पूरा मामला बामनिया ग्राम पंचायत क्षेत्र की सरकारी और चारागाह भूमि से जुड़ा है, जहाँ करीब 2000 बीघा में फैले लाखों विलायती बबूलों को बिना किसी वैध नीलामी के काट दिया गया। स्थानीय स्तर पर की गई शिकायतों में यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि भू-माफियाओं ने मिलीभगत कर करीब 25 लाख रुपये से अधिक की सरकारी वन संपदा को नुकसान पहुँचाया है। इन पेड़ों को काटकर बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से कोयला भट्टियां संचालित की जा रही थी, जिससे स्थानीय पर्यावरण को भारी क्षित पहुँची है।

- बामनिया गांव में दो हजार बीघा चारागाह भूमि से लाखों विलायती बबूल सहित अन्य कीमती पेड़ों के अवैध कटान व उनसे कोयला बनाने का मामला

इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति शेओ कुमार सिंह (न्यायिक सदस्य) और डॉ. सुधीर कुमार चतुर्वेदी (विशेषज्ञ सदस्य) की पीठ द्वारा की गई। प्रकरण में फरियादी शिवराज कुमावत एवं अन्य की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता लोकेंद्र सिंह कछावा ने ट्रिब्यूनल को बताया कि बामनिया में बिना किसी सक्षम अधिकारी (कलैक्टर या तहसीलदार) की अनुमति के पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई। न्यायालय के समक्ष यह दलील भी दी गई कि सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत ने किसी भी प्रकार की नीलामी से स्पष्ट इनकार किया है, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत की ओर इशारा करता है। साथ ही, विलायती बबूल की आड़ में नीम और खेजड़ी जैसे संरक्षित और महत्वपूर्ण पेड़ों को भी व्यावसायिक लाभ के लिए काटकर नष्ट कर दिया गया।

जांच के लिए जॉइंट कमेटी का गठन : मामले की गंभीरता और उठाए गए पर्यावरणीय मुद्दों को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने एक संयुक्त समिति का गठन किया है। इस समिति में भीलवाड़ा जिला कलैक्टर के प्रतिनिधि, वन संरक्षक भीलवाड़ा के प्रतिनिधि, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आदेश दिया है कि यह समिति तत्काल विवादित स्थल का दौरा करेगी और 6 सप्ताह के भीतर अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट व दोषियों पर की गई कार्रवाई का विवरण पेश करेगी। इस पूरी प्रक्रिया के समन्वय और लॉजिस्टिक सहायता के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही, ट्रिब्यूनल ने राजस्थान सरकार सहित सभी संबंधित प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। पर्यावरण और सरकारी नियमों को ताक पर रखने वालों के खिलाफ इस सख्त आदेश के बाद अब इस मामले की अगली सुनवाई 23 मार्च, 2026 को तय की गई है। यह आदेश उन तत्वों के लिए एक बड़ी चेतावनी माना जा रहा है जो नियमों का उल्लंघन कर प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.

पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)

Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा./2026/5151-5153 दिनांक 10.02.2026

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB33873

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद/सी/25/19849

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः- 609 दिनांकः- 11.02.2026

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा संः न0प0ब्0/निर्माण/2025-26/608 दिनांक 11/02/2026 की निविदा दिनांक 12/02/2026 से दिनांक 23/02/2026 06.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 24/02/2026 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 24/02/2026 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्तें व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB33875, DLB2526WSOB33876 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/19879

कार्यालय नगर परिषद भिवाडी (खैरथल-तिजारा) राज.

Tel. No.- 01493 294977 E-mail ID- bhiwadi.nagarpalika@gmail.com

क्रमांकः-न.प.भि/2025-26/7017 दिनांकः- 11.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 55/2025-26

नगर परिषद भिवाड़ी द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु ईच्छुक, अनुभवी एवं उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म आनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड एवं अपलोड व http://sppp.rajasthan.gov.in पर डाउनलोड किये जा सकते है।

S. No.	Particulars	Detail
1	Name of Work	Annual rate contract for providing drivers and firemen at the Municipal Council Fire Station
2	Estimate Project Cost	01 works Total 25.00 Lac
3	Earnest money (EMD) 2%	2% (50,000/-)
4	Cost of tender document (non-refundable) In favor of Commissioner Municipal Council Bhiwadi Payable at Bhiwadi	1000 Each
5	RISL Processing Fees (non-refundable) In favor of MD RISL Payable at Jaipur.	2000 Each (MD RISL Payable E -Grass Challan Portal)
6	Tender Publication on official web site http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in	11.02.2026 & Time 05.00 PM
7	Tender download start date	11.02.2026 & Time 05.10 PM
8	Bid Submission start date & Time	11.02.2026 & Time 05.20 PM
9	Bid Submission End date & Time	24.02.2026 & Time 06.00 PM
10	Technical bid opening date & Time	25.02.2026 & Time 11.00 AM
11	UBN NO. -	DLB2526SLRC33952

निविदादाताओं को प्रोसेसिंग फीस E-Grass Portal पर 56-Local Bodies Department मद में जरिये चालान जमा करानी होगी। E-Grass Portal पर प्रोसेसिंग फीस जमा नही कराने पर निविदादाता द्वारा प्रस्तुत निविदा को तकनीकी रूप से निरस्त कर दिया जावेगा। एवं अमानत राशि व निविदा शुल्क ऑनलाईन नगर परिषद भिवाडी के A/c No. 4447340637, IFSC Code-KKBK0000275, Branch-Bhiwadi, Kotak Mahindra Bank पर Submission Date and Time से पूर्व जमा करवाकर उससे प्राप्त होने वाली रसीद को स्कैन करके www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड करना होगा। निकाय के अन्य किसी भी खाते में राशि स्वीकार नही की जावेगी। अन्यथा आपकी बिड़ को खोलने पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in तथा sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, भिवाड़ी

राज.संवाद/सी/25/19883

मुख्यमंत्री ने किया बीकानेर-जोधपुर संभाग के भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से संवाद

अंतिम छोर के व्यक्ति तक लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएं : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति कार्यकर्ता हैं, जिनकी मेहनत के कारण आज पार्टी विश्व की सबसे बडी पार्टी है। भाजपा कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों को धरातल पर उतारने का समर्पण भाव से कार्य करते हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से केंद्रीय और राज्य बजट में घोषित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने का आव्हान किया। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बीकानेर-जोधपुर संभाग के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य बजट 2026-27 दस मजबूत स्तंभों पर आधारित है, जिनमें अवसंरचना का विस्तार, नागरिक सुविधाओं से गुणवत्तायुक्त जीवन स्तर में वृद्धि, औद्योगिक विकास एवं निवेश को प्रोत्साहन, मानव संसाधन का सशक्तीकरण, सुदृढ़ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, पर्यटन, कला एवं सांस्कृतिक धरोहर, सुशासन एवं डिजिटल परिवर्तन, कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण, हरित विकास एवं पर्यावरणीय सततता और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना शामिल है। मुख्यमंत्री ने वीबी जी राम जी कानून का जिक्र करते हुए कहा कि अब गांवों में स्थायी कार्य हो सकेंगे तथा ग्रामीणों का आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्तीकरण होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से कानून के प्रावधानों को लेकर झूठ की राजनीति की जा रही है और केवल भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि इस वर्ष के राज्य बजट में 4 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत 76 लाख किसानों के खातों में 10 हजार 900 करोड़ से अधिक की राशि डीबीटी की गई है। शर्मा ने कहा कि अब तक 1 लाख से अधिक को सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी है। 1 लाख 54 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है तथा 1 लाख का भर्ती कैलेण्डर जारी किया है। वहीं, निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। संवाद के दौरान बजट और सरकार की जनकल्याणकारी योजनओं को लेकर कार्यकर्ताओं से जिलेवार फीडबैक लिया गया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, दामोदरदास अग्रवाल, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित बीकानेर-जोधपुर संभाग के प्रभारी, सहप्रभारी और प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सीएम हाऊस पर बीकानेर-जोधपुर संभाग के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया।

- 10 स्तंभों पर आधारित बजट में समाज के हर वर्ग को सौगातें मिली : मुख्यमंत्री
- 'वीबी जी राम जी के तहत राज्य बजट में 4 हजार करोड़ का प्रावधान, ग्रामीण होंगे सशक्त'

डोटासरा के 'हमशक्ल' नरेश पहुंचे विधानसभा

जयपुर (विसं)। इन दिनों सोशल मीडिया पर गोविंद सिंह डोटासरा के 'हमशक्ल' की चर्चा जोरों पर है। सोमवार को यह हमशक्ल विधानसभा पहुंचा, जहां खुद डोटासरा ने उससे मुलाकात की, लड्डू खिलाए और मजाकिया अंदाज में उसे अपना "धर्म का भाई" घोषित कर दिया।

राजनीतिक हलकों में इस हल्के-फुल्के पल ने सभी का ध्यान खींचा और सोशल मीडिया पर तस्वीरें व वीडियो तेजी से वायरल हो गए। डोटासरा के हमशक्ल का नाम नरेश कुमार सिंधी है, जो मूल रूप से लाडनूं के निवासी हैं। नरेश मेडिकल लाइन में कार्यरत हैं और साथ ही कैटरिंग का काम भी करते हैं। हाल ही में वह एक शादी समारोह में कैटरिंग के सिलसिले में गए थे, जहां किसी ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो वायरल होते ही लोगों ने उनकी शक्ल की तुलना डोटासरा से करनी शुरू कर दी। वीडियो के वायरल होने के बाद नरेश कुमार के पास फोन कॉल्स की बाढ़ आ गई। मामला इतना चर्चित हुआ कि कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम की भी इस पर नजर पड़ी। इसके बाद पार्टी की ओर से नरेश से संपर्क किया गया और उन्हें जयपुर बुलाया गया। जयपुर पहुंचने पर नरेश कुमार सिंधी को डोटासरा अपने साथ विधानसभा लेकर गए। विधानसभा परिसर में मीडिया के सामने दोनों की मुलाकात चर्चा का विषय बन गई। डोटासरा ने नरेश को लड्डू खिलाते हुए कहा, आज से ये मेरा धर्म का भाई है और अब हमारा रिश्ता लंबा चलेगा। हंसी-मजाक के अंदाज में उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले चुनाव में वह अपने 'धर्म के भाई' का सहयोग भी लेंगे और जरूरत पड़ी तो उन्हें चुनाव भी लड़वा सकते हैं। गंभीर राजनीतिक माहौल के बीच यह दिलचस्प घटनाक्रम लोगों के चेहरे पर मुस्कान ले आया।

कांग्रेस ने की वोटिंग की मांग, कम संख्या पर हंगामा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में बिल पेश किए जाने के दौरान भाजपा विधायकों की कम मौजूदगी को लेकर कांग्रेस ने जोरदार हंगामा किया और डिवीजन (वोटिंग) की मांग उठाई। लंच ब्रेक के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई, जहां दो विधेयक पेश किए गए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल जब जन विश्वास संशोधन बिल सदन में रख रहे थे, उसी दौरान स्पीकर ने वॉइस वोट से बिल को टेबल करने की अनुमति दी। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में बीजेपी विधायकों की संख्या पर्याप्त नहीं है और विधेयक पर विधिवत वोटिंग कराई जानी चाहिए।

- भाजपा विधायक दौड़कर सदन के भीतर पहुंचे

उपनेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट कहा कि कम उपस्थिति के बीच वॉइस वोट कराना उचित नहीं है, इसलिए डिवीजन की प्रक्रिया अपनाई जाए। इस मांग को लेकर कुछ देर तक सदन में हंगामे की स्थिति बनी रही। हंगामे के बीच कई बीजेपी विधायक दौड़ते हुए सदन में पहुंचे। हालांकि स्पीकर पहले ही बिल को सदन में रखने की मंजूरी दे चुके थे।

स्थिति सामान्य होने पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में आपसी सहयोग की परंपरा रही है। उन्होंने बताया कि नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस की बैठक में व्यस्त थे, इसलिए बीएसी की बैठक का समय 1 बजे से बढ़ाकर 3 बजे किया गया था। इसके बावजूद विधायकों के देर से आने को मुद्दा बनाना उचित नहीं है।

सीकर के डॉक्टर से 2 करोड़ मांगे, डिप्रेशन में जान गई : डोटासरा

जयपुर (कासं)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष एवं लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को सदन में बजट बहस के दौरान कहा कि, सीकर में एक आईएएस ने स्थानीय डॉक्टर से दो करोड़ मांगे। इससे 45 साल का डॉक्टर डिप्रेशन में आ गया और हार्ट अटैक से मौत हो गई। उस डॉक्टर के छोटे-छोटे बच्चे हैं। प्रदेश में इस कदर भ्रष्टाचार हो रहा है।

डोटासरा ने सरकार के वित्तीय हालात पर तंज कसते हुए कहा कि वित्त मंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में पॉलिटेक्निक कॉलेज तक नहीं खुलवा पाईं। वित्त मंत्री को तो बजट ही सुबह 9:30 बजे मिला। डबल इंजन सरकार के दोनों इंजन सीज है।

जरूरत के 20 हजार करोड के बजाए 2000 करोड भी जुटाए नहीं जा रहे, क्या दूसरे कामों के रोक दें टैंडर : हाईकोर्ट

प्रदेश की सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों के लिए 20 हजार करोड रुपए की जरूरत होने के बावजूद बजट में नाममात्र का प्रावधान करने पर अदालत ने नाराजगी जताई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों के लिए 20 हजार करोड रुपए की जरूरत होने के बावजूद बजट में नाममात्र का प्रावधान करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार अन्य कामों के टैंडर जारी कर रही है, लेकिन स्कूलों के लिए पैसा नहीं दिया जा रहा। ऐसे में क्या हम स्वास्थ्य सेवाओं को छोड़कर अगले एक साल के लिए अन्य कामों का टेंडर जारी करने पर रोक लगा दें।

- अदालत ने कहा कि हम एक कमेटी गठन पर विचार करेंगे, जो काम को मॉनिटर करेगी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 5 मार्च को तय की है।

अदालत ने कहा कि हम एक कमेटी गठन पर विचार करेंगे, जो काम को मॉनिटर करेगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 5 मार्च को तय की है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश झालावाड में हुए स्कूल हादसे के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि बजट में स्कूल की मरम्मत के लिए करीब 550 करोड रुपए और नए भवनों के लिए करीब 450 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। इसी तरह 200 करोड का बजट स्कूलों में लैब के लिए दिया गया है। इस पर अदालत ने कहा कि पूर्व की सुनवाई में स्कूलों के लिए बीस हजार करोड रुपए की जरूरत बताई गई थी। बजट की यह राशि ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। अदालत ने कहा कि यह देखें कि स्कूलों के लिए डोनेशन, भामाशाह योजना, एमपी-एमएलए फंड का इसके लिए किस तरह उपयोग हो सकता है। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि मंदिरों में 600 करोड रुपए दान के आ सकते हैं तो शिक्षा का दान भी बडा दान है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई पांच मार्च को तय की है।

स्कूलों में गीता पढाई जाए : भदेल

जयपुर। विधानसभा में बजट पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक अनिता भदेल ने मध्यप्रदेश की तर्ज पर राजस्थान के स्कूलों में भी गीता पढ़ाए जाने का सुझाव दिया। भदेल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश की तर्ज पर स्कूलों में गीता का पठन पाठन करवाएं। गीता कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं है, यह कर्म करने की प्रेरणा देता है। भदेल ने पीएमश्री स्कूलों की तर्ज पर सीएमश्री स्कूल का भी सुझाव देते हुए कहा कि हर विधानसभा में एक आदर्श स्कूल बनाएं। इस स्कूल को प्रोफेशनल पाठ्यक्रम से जोड़ें और दक्ष छात्रों से इंटर्नशिप करवाएं।

भिवाड़ी में आगजनी के बाद रीको ने भूखण्ड आवंटी को थमाया नोटिस

जयपुर। रीको औद्योगिक क्षेत्र आईआईडी खुशखेड़ा के भूखण्ड संख्या जी 1-118 (बी) में सोमवार को ब्लास्ट के साथ आगजनी की घटना के मामले में रीको प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया है। रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय अधिकारी अखिल अग्रवाल ने बताया कि भूखंड मालिक राजेन्द्र कुमार को नोटिस जारी किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस प्लॉट का आवंटन 12 सितंबर 2005 को मैसर्स राजेन्द्र कुमार, को रेडीमेड गारमेंट इकाई लगाने के लिए किया था। लीज डीड का निष्पादन 14 मई 2007 को किया गया था। अग्निकांड के पश्चात् की गई प्राथमिक जांच में यह पाया गया है कि मौके पर आवंटी द्वारा अनुमत गतिविधि के अतिरिक्त अन्य गतिविधि संचालित की जा रही थी, जिसकी सूचना रीको कार्यालय को नहीं दी गई थी। अत: रीको भू- निपटान नियम, 1979 के नियम 24(1)-(ए) एवं (बी) के अंतर्गत 45 दिवस का कारण बताओ नोटिस इस फर्म को जारी कर दिया गया है। नियमानुसार आवंटन पत्र एवं लीज डीड की किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में इकाई प्रभारी द्वारा प्लॉट निरस्तीकरण की कार्यवाही का प्रावधान है।

- रीको के वरिष्ठ क्षेत्रीय अधिकारी अखिल अग्रवाल का कहना है कि यह प्लॉट मैसर्स राजेन्द्र कुमार को रेडीमेड गारमेंट इकाई लगाने के लिए किया था, परंतु वहां अन्य गतिविधियां भी संचालित थी।

अग्रवाल ने बताया कि आवंटन पत्र की शर्त संख्या 14 के अनुसार आवंटी को आवंटित भूखण्ड पर किसी भी प्रकार का अवैध व्यापार, व्यवसाय अथवा उद्योग संचालित करने की अनुमति नहीं है। यदि ऐसा पाया जाता है, तो भूखण्ड का आवंटन निरस्त मानते हुए जमा राशि जब्त कर ली जाएगी। प्रकरण की विस्तृत जांच चल रही है तथा प्रशासन द्वारा नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सोमवार को आगजनी की सूचना मिलते ही रीको खुशखेड़ा, दमकल चौपानकी, होन्डा, सीजवर्क, नगर परिषद भिवाड़ी एवं नगर पालिका तिजारा की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं तथा आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कुछ लोगों की मृत्यु तथा गंभीर घायल होने की जानकारी मिली है। घायलों को उपचार हेतु दिल्ली रेफर किया गया है। मौके पर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही की गई।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने खुशखेड़ा (भिवाड़ी) औद्योगिक क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड पर शोक जताया है। उन्होंने रीको के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घटना की गंभीरता को देखते हुए उद्योग मंत्री ने निर्देश दिए है कि प्रदेश में संचालित सभी औद्योगिक ईकाईयों में खतरनाक, प्रदूषणकारी और अत्यधिक ज्वलनशील गतिविधियों की सघन निगरानी की जाए। साथ ही सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना संचालित गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाते हुए कठोर कार्रवाई की जाए। सभी जगहों पर नियमित निरीक्षण और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनर्रावृत्ति नहीं हो। नियमों के उल्लंघन पर आवंटन रद्द जैसी कार्रवाई की जाए।

फसल खराबा 50-70 प्रतिशत होने के बावजूद मुआवजा 'जीरो', एस.ओ.जी. से जांच कराएंगे : किरोड़ीलाल मीणा

कृषि मंत्री ने सदन में कहा "कई जिलों में बीमा कंपनियों और बैंकों के फर्जीवाड़े उजागर हुए हैं।"

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने सोमवार को विधानसभा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सामने आई गंभीर अनियमितताओं का खुलासा करते हुए कहा कि कई जिलों में बीमा कंपनियों और बैंकों के फर्जीवाड़े उजागर हुए हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि पूरे मामले की जांच एसओजी से करवाई जाएगी। मंत्री किरोड़ीलाल ने बताया कि सांचौर, जालौर, चूरू, नागौर, बीकानेर और शेरगढ़ क्षेत्रों में भी फसल खराबा कम दर्शाने के मामले सामने आए हैं। राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति के माध्यम से किसानों को 122 करोड़ रुपये दिलवाने का प्रयास किया जाएगा कृषि मंत्री ने दो टूक कहा कि किसानों के हक का पैसा किसी भी कीमत पर डूबने नहीं देंगे। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- मंत्री ने कहा कि "राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति के माध्यम से किसानों को 122 करोड़ रुपये दिलवाने का प्रयास किया जाएगा किसानों के हक का पैसा किसी भी कीमत पर डूबने नहीं देंगे, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।"

कृषि मंत्री ने बताया कि श्रीगंगानगर जिले के करणपुर में निरीक्षण के दौरान चौंकाने वाला मामला सामने आया। बीमा कंपनी के सर्वेयर ने इंटीमेशन फार्म पर किसान, कृषि पर्यवेक्षक और राजस्व अधिकारी के हस्ताक्षर खुद ही कर दिए। उन्होंने बताया कि करीब 1.70 लाख फार्म की जांच में 32 हजार ऐसे पाए गए, जिनमें फसल खराबा 'शून्य' दर्शाया गया, जबकि वास्तविक नुकसान 50 से 70 प्रतिशत तक था। इससे किसानों के करीब 128 करोड़ रुपये प्रभावित हुए। रावला में इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रथम दृष्टया क्षेमा इन्श्योरेन्स कम्पनी को दोषी पाया गया है और केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इस कंपनी को आगे टैंडर न देने का आग्रह किया गया है। डॉ. मीणा ने एक और चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि सालासर में भारतीय स्टेट बंक की शाखा में किसानों के नाम पर 71 फर्जी खाते खोले गए। खातों में नाम और रिश्तेदारों के नाम मिलते-जुलते थे, लेकिन दस्तावेज अधूरे थे। इन खातों के जरिए प्रीमियम काटने की प्रक्रिया चल रही थी। इस गड़बड़ी से केंद्र और राज्य सरकार को लगभग 9 करोड़ रुपये का गलत भुगतान करना पड़ सकता था। इस मामले में एआईसी कम्पनी का नाम सामने आया है और एफआईआर दर्ज कराई गई है। कृषि मंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार ने रबी और खरीफ फसलों के लिए अब तक 6328 करोड़ रुपये का बीमा क्लेम भुगतान किया है, जिसमें 188 करोड़ रुपये पिछली सरकार के समय से लंबित थे।प्रश्नकाल के दौरान विधायक बाबू सिंह राठौड़ के सवाल पर मंत्री किरोड़ीलाल ने बताया कि शेरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में खरीफ 2020 से रबी 2024-25 तक 659 किसानों के 42.62 लाख रुपये के क्लेम खाते/आधार सत्यापन, नेफ्ट बाउंस और बीमित कृषक की मृत्यु जैसे कारणों से लंबित हैं। जिला कलेक्टरों को सत्यापन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए है। फसल कटाई प्रयोगों पर आपत्तियों के कारण 23 फसल पटवार युग्म के मामले राज्य स्तरीय तकनीकी सलाहकार समिति में लंबित थे। गत 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार से तकनीकी उपज प्राप्त हो चुकी है और जल्द ही बैठक कर निस्तारण किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सांचौर, जालौर, चूरू, नागौर, बीकानेर और शेरगढ़ क्षेत्रों में भी फसल खराबा कम दर्शाने के मामले सामने आए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पंचायतों के परिसीमन को चुनौती देने वाली एसएलपी खारिज की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश में पंचायतों का मुख्यालय बदलने सहित 10 जनवरी 2025 की गाइडलाइनों का पालन नहीं करने और 20 नवम्बर 2025 व 28 दिसम्बर 2025 की संशोधित अधिसूचनाओं को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने यह आदेश जयसिंह की एसएलपी पर दिए।

एसएलपी में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के गत 21 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें पंचायतों का मुख्यालय बदलने सहित परिसीमन की अधिसूचनाओं को चुनौती देने वाली याचिका अदालत ने खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश में दखल से इनकार करते हुए कहा कि प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अदालत की ओर से हस्तक्षेप करने से परहेज करना चाहिए। पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इस स्तर पर हाईकोर्ट के आदेश में दखल नहीं दे सकते। एसएलपी में हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने परिसीमन अधिसूचना जारी करते समय वैधानिक प्रावधानों का पालन नहीं किया। मुख्यालय की दूरी एवं निवासियों को होने वाली असुविधा के संबंध में दर्ज आपत्तियों का भी निस्तारण नहीं किया। ऐसे में ग्राम पंचायत का मुख्यालय बदलना मनमाना है। इसके जवाब में राज्य सरकार के एएसजी केएम नटराज व एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि परिसीमन की पूरी प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अनुसार की गई है। राज्य सरकार ने इस दौरान आपत्तियों पर विचार कर उनका निस्तारण भी किया और मंत्रिस्तरीय उप-समिति ने पुनर्गठन को मंजूरी दी थी। हाईकोर्ट ने पूर्व में निर्देश दिया था कि पुनर्गठन की प्रक्रिया को 31 दिसंबर, 2025 तक की जाए। इसके पालन में ही 28 दिसंबर 2025 को नोटिफिकेशन जारी किया था। वहीं जनवरी, 2026 में सभी पंचायती राज संस्थाओं के वार्ड के गठन का काम पूरा किया। राज्य निर्वाचन आयोग ने भी मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन कर चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 25 फरवरी को करना है और प्रदेश में 15 अप्रेल 2026 तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करनी है। इसलिए एसएलपी खारिज की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एसएलपी को खारिज कर दिया है।

राजस्थान के वैभव, साहित्य और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएं : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने ली पर्यटन और कला-साहित्य व संस्कृति विभाग की बैठक

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि इस बार राजस्थान दिवस (19 मार्च) को पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भव्य रूप से आयोजित किया जाए। जिसमें राज्य की विभिन्न कलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा जयपुर में कला एवं संस्कृति आधारित एक दिवसीय चिंतन शिविर का बड़े स्तर पर आयोजन किया जावे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, आयुक्त पर्यटन रुक्मणि रियाड़ की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में पर्यटन विभाग तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी।

मुख्य सचिव ने राईजिंग राजस्थान में पर्यटन विभाग के प्रदर्शन की जानकारी ली और राजस्थान पर्यटन को आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान पर्यटन विभाग ने बेहतरीन उपलब्धियां हासिल की हैं। सोशल मीडिया पर राजस्थान पर्यटन की विजिबिलिटी अच्छी है। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति बहुत समृद्ध है।

इस राज्य के सांस्कृतिक वैभव और समृद्ध साहित्य और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य की भाषा, साहित्य, कला से सम्बंधित प्रत्येक अकादमी वर्ष में कम से कम एक बड़ा आयोजन करें।

मुख्य सचिव ने अकादमियों द्वारा किताबों के कम प्रकाशन पर नाराजगी जताई और राजस्थान के अच्छे साहित्यकारों की किताबों के प्रकाशन के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान के कम से कम 15 अग्रणी लेखकों की विभिन्न विषय आधारित किताबें प्रकाशित किये जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने रविंद्र मंच और जवाहर कलाकार केन्द्र पर होने वाले आयोजनों की सूचनाओं का समग्र प्रचार-प्रसार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदर्शन कलाओं से जुड़े कलाकारों को वृहद स्तर पर मंच उपलब्ध करवा कर उन्हें प्रोत्साहित किया जावे। उन्हें प्रदर्शन के लिए बेहतर अवसर प्रदान किये जावे। उन्होंने विभाग में खाली पदों को प्राथमिकता से भरने तथा पदोन्नति प्रक्रिया भी पूरी करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को अधिकारियों की बैठक लेकर पर्यटन और कला-साहित्य व संस्कृति विभाग की समीक्षा की।

- पर्यटक सहायता बल मजबूत करने, पर्यटन थाने खोलने के निर्देश दिए

पर्यटन आयुक्त रुक्मणि रियाड़ ने प्रस्तुतिकरण देते हुए अवगत करवाया कि राज्य में पर्यटन नीति 2025 लागू हो गई है। इसी प्रकार नई राजस्थान फिल्म प्रोत्साहन नीति-2025 भी जारी की गई है। राज्य में 9 यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट है। इस बार राज्य में घरेलू पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। उन्होंने अवगत कराया कि पर्यटन विभाग पर्यटन मार्केटिंग सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। घरेलु पर्यटन प्रमोशन के साथ ही विदेशी पर्यटन प्रमोशन को भी लक्षित किया गया है। राजस्थान पर्यटन विभाग सोशल मीडिया पर भी अन्य राज्यों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। राजस्थान पर्यटन का यू-ट्यूब चैनल सम्पूर्ण भारत में चौथे नम्बर पर है।

बैठक में उप शासन सचिव अनुराधा गोगिया, पुरातत्व निदेशक पंकज धरेन्द्र, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामरतन शर्मा, राजस्थान राज्य अभिलेखगार बीकानेर के निदेशक चंद्रसेन शेखावत, राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के सचिव बसंत सिंह सोलंकी, अरबी फारसी शोध संस्थान टोंक के निदेशक भूपेंद्र कुमार यादव, जयपुर कत्थक केन्द्र सचिव श्रुति मिश्रा, राजस्थानी भाषा-साहित्य संस्कृति अकादमी बीकानेर के शरद केवलिया, भारतीय लोक कला मण्डल उदयपुर से टीसी मारवा, राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर की निदेशक लता श्रीमाली, राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव रजनीश हर्ष, पंजाबी अकादमी के सचिव एन.पी.सिंह, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की सचिव गोमती शर्मा मौजूद थे।

कोटा में 29 लाख का डोडा-चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में पूछताछ जारी

कोटा, (निसं)। अवैध नशे की तस्करी के खिलाफ कोटा ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत कोटा ग्रामीण की मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक मिनी ट्रक की तलाशी ली तो मिनी ट्रक की बॉडी में एक गुप्त बॉक्स में से अवैध मादक पदार्थ 193.120 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम

- मिनी ट्रक के गुप्त बॉक्स में छिपाकर रख हुआ था डोडा-चूरा

द्वारा पकड़े गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 29 लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अभियान के तहत् मंडाना थानाधिकारी वासुदेव ने मय जाब्ता इलाके के काल्याखेड़ी के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। नाकाबंदी के दौरान झालावाड़ की ओर से आ रहे एक आईसर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो ट्रक की बॉडी में एक गुप्त बॉक्स मिला जिसकी जांच में पुलिस टीम को 193.120 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ, बरामद अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 29 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिला लुधियाना पंजाब के शेरपुर बस्ती निवासी कुलविन्दर सिंह (35) एवं जिला फतेहगढ़ पंजाब के अमराला निवासी गुरजन्ट सिंह (29) को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

मंडाना पुलिस टीम ने 193 किलो डोडा-चूरा व मिनी ट्रक को जब्त किया।

युवक पर फायरिंग, तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। शहर में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। जहां पहले एक युवक के साथ होटल में मारपीट की गई और फिर रिपोर्ट दर्ज कराने जाते समय थाने के पास ही उस पर फायरिंग कर दी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एएसपी सिटी पंकज यादव ने बताया कि परिवादी सुमित पुत्र अमर सिंह निवासी चर्च के पास, गोपालगढ़ ने लिखित शिकायत देकर जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। परिवादी के अनुसार, वह 14 फरवरी की रात अपने दोस्तों के जन्मदिन समारोह में सारस चौराहे स्थित सन स्टार होटल गया हुआ था। इसी दौरान अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा ने उसके साथ मारपीट की और उसे धमकाते हुए पिस्टल तान दी।

पीड़ित जब घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाना मथुरा गेट थाने जा रहा था, तभी थाने के पास बिजलीघर चौराहे के नजदीक आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि युवक बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना मथुरा गेट पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों अज्जू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे से सुरक्षा उपकरण चोरी का पर्दाफाश

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की बुढ़ादीत पुलिस टीम ने 8 लेन भारतमाला दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हो रही चोरीयों का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफतार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से लाखों रुपए के चोरी किये गये उपकरण बरामद किए हैं। ये उपकरण एक्सप्रेसवे की मॉनिटरिंग और सुरक्षा के लिये लगाए गए थे। पुलिस ने बरामद किये गये उपकरणों में सोलर प्लेट तीन बड़ी व एक छोटी, एक टुटा हुआ सीसीटीवी कैमरा, बैटरी, केबल, इनवर्टर व अन्य सामान शामिल है।

- तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया, लाखों रुपए के उपकरण बरामद

ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि 12 फरवरी को एक्सप्रेस-वे के प्रतिनिधि मुकेश कुमार मेघवाल ने बूढ़ादीत थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे हाइवे पर से चैनेज 348 प्लस 650 पर लगे तीन बड़ी व दो छोटी सोलर प्लेटें चोरी हो गई है, रिपोर्ट में कहा कि इसके साथ ही इलैक्टिक केबिल, कैमरे, बैटरियां इन्वेटर इत्यादि सामान चोरी हो गया है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। मामले का खुलासा करने के लिये बुढ़ादीत थानाधिकारी दीप्ती रानी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मुखबीर की सूचना, तकनीकी आधार पर लाखसनीजा निवासी गुड्डी श्याम (42), कोटड़ापुरा निवासी कृष्ण मुरारी (30) और लक्ष्मण गुर्जर (25) को कोटड़ापुरा 8 लाइन के पास से डिटेन कर पूछताछ के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई सुरक्षा दीवार के सिमेंट पट्टी व पिल्लर के 55 नग, जिओ टैक्सटाईल के 4 नग, बैटरी पैक, येलो स्टार के 2 नग, सोलर का 1 नग, जियो सेल के 4 बंडल, सोलर प्लेट 3 बडी व 1 छोटी, कैक्टोमीटर बोर्ड, नीले ड्रम के 2 नग, इलेक्टिक वायर के 4 बंडल सहित अन्य उपकरण बरामद हुए जिनकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रूपये है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि इनके ग्रुप में तीन से चार चोर शामिल हैं, दो व्यक्ति दिन में रैकी करते थे जिसके बाद इनके इनपुट पर रात में चोरी के लिए पूरी गैंग जाती थी। इनमें एक व्यक्ति साइड में खड़ा होकर आने वाले वाहनों पर नजर रखता था, जबकि शेष चोरी करते थे।

पवन ऊर्जा कार्मिकों व गार्ड से मारपीट

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र पर काम करने वाले कर्मचारियों, गार्ड आदि को बंधक बनाकर मारपीट की गई। मामला महिने भर पहले का है और अब पुलिस में केस दर्ज कराया गया है। अज्ञात शख्स के खिलाफ पुलिस जांच में जुटी है।

- मामला महिने भर पहले का, अब केस दर्ज कराया गया है

करवड़ पुलिस ने बताया कि सुजलोन पवन ऊर्जा कं पनी बैगडिया में लगे गार्ड सुपरवाइजर मदन सिंह पुत्र तेज सिंह ने मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र लगा हुआ है। जहां पर सुरक्षा गार्ड, बॉर्डर गार्ड कार्यरत है। गत 15 जनवरी को कुछ लोग आए और सभी को बंधक बनाकर मारपीट की। पवन ऊर्जा संयंत्र को काफी नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित के साथ भी इस दौरान मारपीट कर बंधक बनाया गया। करवड़ पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अज्ञात शख्स के खिलाफ जांच आरंभ की है।

अजमेर में परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ बस संचालकों का प्रदर्शन

सीज बसों को छुड़ाने और लगातार चालान कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग

अजमेर, (कासं)। निजी बस संचालकों ने सोमवार को जिला कलैक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन किया। बस ऑपरेटर यूनियन अजमेर के बैनर तले एकत्रित हुए बस मालिकों और संचालकों ने परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान बस संचालकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

- प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा

विनोद नकवानी ने बताया कि बस संचालकों का कहना है कि राजस्थान परिवहन विभाग द्वारा आए दिन निजी बसों के चालान काटे जा रहे हैं। इसके अलावा कई बसों को विभिन्न कारणों से सीज भी किया गया है। संचालकों का आरोप है कि विभागीय कार्रवाई से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। बस मालिकों ने बताया कि लगातार हो रही चालान की कार्रवाई के कारण न केवल उनकी आय पर असर पड़ रहा है, बल्कि यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने मांग की कि बसों पर की जा रही सख्त कार्रवाई को रोका जाए और जिन बसों को सीज किया गया है, उन्हें छोड़ा जाए। संचालकों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे आगे और उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। बस ऑपरेटरों का कहना है कि वे नियमों के तहत ही संचालन कर रहे हैं, लेकिन छोटी-छोटी तकनीकी कमियों को आधार बनाकर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है।

भीलवाड़ा में जेसीबी से वर्षों से जमे अवैध अतिक्रमण हटाये

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम में निर्वाचित बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होते ही शहर की फिजा बदलने लगी है। प्रशासन ने अब शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पूरी तरह कमर कस ली है, जिसका असर सोमवार को सड़कों पर साफ नजर आया। जिला कलैक्टर एवं निगम प्रशासक जसमीत सिंह संधू के पदभार संभालते ही अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

सोमवार को निगम का दस्ता जब सूचना केंद्र पहुंचा, तो वहां हड़कंप मच गया। सूचना केंद्र से लेकर भोपाल क्लब तक निगम की जेसीबी (पीला पंजा) ने वर्षों से जमे अवैध कब्जों को हटा दिया। सड़क किनारे राहगीरों के लिए मुसीबत बने लोहे के बक्से, कोठियां और अवैध पेटियों को जेसीबी ने देखते ही देखते मलबे और कबाड़ में तब्दील कर दिया। निगम की इस सख्ती को देखकर फ्रेंड्स मेडिकल से लेकर भोपाल क्लब तक के दुकानदारों में डर बैठ गया और उन्होंने आनन-फानन में अपने अवैध टीन-टप्पर और बाहर निकला सामान खुद ही हटाना शुरू कर दिया। इससे पूर्व, प्रधान डाकघर के पास नालियों पर किए गए पक्के निर्माणों को ध्वस्त कर पूरा चौक खाली कराया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता आजाद चौक में देखने को मिली है। जिस चौक में पहले दुपहिया वाहन निकलना भी दूभर था, वहां अब कारें आसानी से गुजर रही हैं। सड़क के दोनों ओर लगने वाले हाथ-ठेलों को पूरी तरह हटा दिया गया है, जिससे मार्ग अब काफी चौड़ा और व्यवस्थित नजर आ रहा है। शहर में हो रही इस त्वरित कार्रवाई को लेकर आमजन में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

स्थानीय नागरिकों ने पांच साल तक सत्ता में रहे जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने केवल दिखावे की कार्रवाई की, जिससे शहर की सुंदरता खराब होती रही। लोगों का कहना है कि जिन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए चुना गया था, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई, जबकि प्रशासक के आते ही सफाई और अतिक्रमण हटाओ अभियान की गति काबिले तारीफ है। अतिक्रमण निरोधक दस्ते के प्रभारी संजय खोखर और जोरावर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर मुस्तैद हैं। निगम सूत्रों के अनुसार, सूचना केंद्र सर्किल के पास फुटपाथ पर दुकान सजाने वालों को अंतिम चेतावनी दे दी गई है। किसी भी समय वहां फिर से जेसीबी की गर्जना सुनाई दे सकती है।

कच्चे घर में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जला

दौसा, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जौपाड़ा के खारवालों की ढाणी में एक छप्परपोश घर में आग लग गई। आग से घर में रखा लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात को भोमाराम खारवाल पुत्र कजोड़मल खारवाल के कच्चे घर अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी भयंकर थी कि आसपास के घरों तक पहुंच रही थी। घर में सो रही भोमाराम की पत्नी छोटी देवी व पुत्री रसना ने घर से निकलकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने आग की लपटें उठती देख गांव के लोग मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों व हल्का पटवारी व सदर थाना पुलिस को दी। सुबह मौके पर पहुंचे प्रशासक प्रयाग कंवर व हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने मौका स्थिति का जायजा लिया और रिपोर्ट तैयार की। प्रशासक प्रयाग कंवर ने बताया कि पीड़ित भोमाराम खारवाल के कच्चे घर में रखा 5 बोरी अनाज, 50 मन चारा, कपड़े, दैनिक उपयोग का सामान,10 किलो घी और 50 हजार रूपये नगदी सहित घर में रखा घरेलू सामान जल कर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि भोमाराम खारवाल की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय है। उसके पास रहने के लिए यही कच्चा मकान था। जिसके जल जाने के बाद खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग से हुई क्षति की भरपाई के लिए त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी पीड़ित परिवार की मदद की अपील की है। हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने बताया है कि खसरा नम्बर 297 खातेदार भूमि मे कच्चा घर में रहता था उपस्थित लोगों ने बताया कि रात को अज्ञात कारणों से पूरे छप्परपोश में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया।

आग लगने से घर का सारा सामान जल गया।

श्रीगंगानगर : पत्नी ने बॉयफ्रेंड से करवाई थी पति की हत्या, दोनों गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां पत्नी ने प्रेमी से पति की हत्या करवाई थी। प्रेमी ने युवक को रास्ते में रोककर उसके सिर पर लाठियों से हमला किया था। फिर रस्सी से गला घोंट दिया। इसके बाद भी वह नहीं मरा तो ईंट से सिर फोड़ दिया। इस दौरान पत्नी मोबाइल फोन पर अपने प्रेमी के लगातार संपर्क में थी। हत्या के बाद शव और बाइक को 15 किलोमीटर दूर इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया। पुलिस को दो फरवरी को फलोदी क्षेत्र में नहर में गांव 4 जेडडब्ल्यूएम निवासी भजनलाल (32) का शव मिला था। भजनलाल के पिता ने कृष्ण लाल ने दो फरवरी को घड़साना थाने में बेटे की हत्या का मामला दर्ज करवाया था। घड़साना थाना पुलिस ने आरोपी पत्नी इंद्रा देवी (30) और उसके प्रेमी प्रभुदयाल (33) पुत्र सुरजाराम को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रभुदयाल का साथ देने वाले नाबालिग को भी डिटेन किया है।

- हत्या में आरोपी प्रभुदयाल का साथ देने वाले नाबालिग को भी डिटेन किया
- हत्या के बाद शव और बाइक को 15 किलोमीटर दूर इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया था

मामले का खुलासा करते हुए एसपी अमृता दुहन ने बताया कि भजनलाल की हत्या 16 जनवरी को इंद्रा देवी ने प्रेमी प्रभुदयाल और 15 वर्षीय नाबालिग के साथ मिलकर की थी। पुलिस के अनुसार, भजनलाल घड़साना के गांव 4 जेडडब्ल्यूएम में पत्नी इंद्रा और दो बच्चों के साथ रहता था। वह गांव में ही फर्नीचर का काम करता था। इंद्रा का गांव के ही प्रभुदयाल के साथ काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रभुदयाल मजदूरी करता है।

दोनों के प्रेम प्रसंग में भजनलाल रोड़ा बनने लगा तो दोनों ने भजनलाल को रास्ते से हटाने का निर्णय लिया। एसपी अमृता दुहन ने बताया कि इंद्रा और प्रभुदयाल ने भजनलाल को मारने की साजिश रच ली थी। 16 जनवरी को जब भजनलाल बाइक से घड़साना आ रहा था। प्रभुदयाल ने अपने साथ काम करने वाले 15 वर्षीय नाबालिग के साथ मिलकर गांव के बाहर भजनलाल को रुकवाया। उसने उसके सिर पर लाठियों से हमला कर दिया। लाठियों से हमला करने के बाद दोनों ने मिलकर भजनलाल का रस्सी से गला घोंट दिया। एसपी अमृता दुल्हन ने बताया कि प्रभुदयाल ने इंद्रा को साजिश को अंजाम देने की बात कही तो दोनों ने शव को ठिकाने लगाने का निर्णय लिया। प्रभुदयाल और नाबालिग भजनलाल को मरा हुआ समझकर उसी की बाइक पर बीच में बैठाकर घड़साना से करीब 15 किलोमीटर दूर नहर में फेंकने के लिए ले गए। नहर के पास पहुंचे तो भजनलाल को अचानक होश आ गया। इसके बाद प्रभुदयाल ने नाबालिग के साथ मिलकर ईंट से उसके सिर पर जोरदार वार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई। एसपी ने बताया कि प्रभुदयाल ने नाबालिग के साथ मिलकर शव और उसकी बाइक को नहर में फेंक दिया। उसके बाद सबूत भी मिटाने के प्रयास किए। घटना को अंजाम देने के बाद प्रभुदयाल नाबालिग के साथ वापस गांव आ गया। एसपी ने बताया कि भजनलाल का शव नहर में बहकर करीब 270 किमी दूर चला गया था। 2 फरवरी को फलोदी जिले की नोखा पुलिस को नहर में एक व्यक्ति का शव मिला। नोखा पुलिस को कार्रवाई के दौरान पता लगा कि यह शव घड़साना के गांव 4 जेडडब्ल्यूएम के भजनलाल का है।

एसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीम का गठन किया गया। एसएचओ देवीलाल सहारण ने बताया कि पुलिस टीम ने हर एंगल से जांच की। जांच के दौरान भजनलाल की पत्नी इंद्रा पर शक हुआ। जब इंद्रा के फोन की कॉल डिटेल निकाली गई तो इंद्रा की भूमिका संदिग्ध लगी। पुलिस ने इंद्रा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में प्रभुदयाल का पता चला। इसके बाद सोमवार को प्रभुदयाल को गिरफ्तार कर लिया।

वारदातों का खुलासा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर, लूट, चोरी एवं नकबजनी के कई मामलों का खुलासा किया है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कुछ मामलों में गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। ग्रामीण एसपी नारायण टोगस ने बताया कि पुलिस थाना चामू में ग्राम चैराई में वृद्ध महिला की हत्या व लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भोपालगढ़ कस्बे में बुजुर्ग महिला की हत्या का प्रकरण 48 घंटे में ट्रेस कर नाबालिग को पकड़ा गया। बिलाड़ा के उचियारड़ा बेरा में चांदी व्यवसायी कैलाश माली की हत्या व 12.290 किलो चांदी लूट मामले का 24 घंटे में खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। देवातड़ा गांव में दिनदहाड़े हत्या व लूट का मामला भी 24 घंटे में सुलझाया गया। वहीं चोरी के मामलों में शेरगढ़ थाना क्षेत्र में सक्रिय अंतरराज्यीय बाछड़ा गैंग के पांच सदस्य पकड़े गए। रायंसर में बिजली तार चोरी, पीपाड़ शहर में मंदिर चोरी और अन्य वारदातों में भी आरोपियों की गिरफ्तारी हुई।

झुंझुनूं में मेडिकल कॉलेज विवाद गहराया, चिकित्सकों ने काली पट्टी बांध प्रदर्शन किया

झुंझुनूं, (निसं)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) में चल रहा विवाद अब और तेज हो गया है। एक ओर जिलेभर के सेवारत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध-प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर एमबीबीएस छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया। अरिसदा झुंझुनूं के आव्हानन पर छह सेवारत चिकित्सकों के पदनाम विलोपन के विरोध में जिलेभर के चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

- चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है

जानकारी के अनुसार राजकीय बीडीके अस्पताल में सेवारत चिकित्सकों ने मुख्यद्वार पर काली पट्टी बांधकर नारेबाजी की। चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है। पदनामित चिकित्सक कॉलेज की शुरुआत से बिना किसी अतिरिक्त मानदेय के शिक्षण सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग दिल्ली को ज्ञापन भेजकर पदनामित चिकित्सकों की बहाली तथा प्रधानाचार्य पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर पद से हटाने की मांग की गई है। चिकित्सकों का कहना है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन एवं राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार पदनामित किया गया था। एनएमसी की टेक-25 के तहत समायोजन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पद विलोपन के लिए आयोग और राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक है। बिना सक्षम स्तर की अनुमति के पदनाम विलोपन से छह चिकित्सक अपमानित महसूस कर रहे हैं।

अरिसदा प्रवक्ता डॉ. विजय झाझड़िया ने कहा कि जब तक प्रधानाचार्य पर कार्रवाई नहीं होती और उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। मांगें नहीं माने जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी गई है। अरिसदा अध्यक्ष डॉ. एसए जब्बार ने बताया कि आगे भी जिलेभर के अस्पतालों में काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में डॉ. राजेन्द्र ढाका, डॉ. शीशराम गोठवाल, डॉ. पुष्पा रावत, डॉ. राजेन्द्र पायल, डॉ. जगदेव सिंह, डॉ. मधु तंवर, डॉ. आकांक्षा, डॉ. मनीषा चौधरी, डॉ. श्वेता, डॉ. दीपक देवठिया, डॉ. सपना झाझड़िया, डॉ. राहुल सोनी, डॉ. गौरव बूरी, डॉ. ईकराज अहमद, डॉ. दुष्यंत बसेरा, डॉ. प्रियंका कस्वां, डॉ. सुरेश मील, डॉ. नेमीचंद, डॉ. संदीप नेमीवाल, डॉ. प्रमोद तेतरवाल, डॉ. प्यारेलाल भालोठिया, डॉ. अरविंद जाखड़, डॉ. नवीन, डॉ. कपूर थालौर, डॉ. पूनम चौधरी सहित अनेक चिकित्सक शामिल रहे। मलसीसर में डॉ. सतवीर और डॉ. अशोक सैनी समेत चिकित्सकों ने भी काली पट्टी बांधकर विरोध किया।

सोमवार को एमबीबीएस बैच 2024 और 2025 के छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया और अपनी मांगों को लेकर प्रधानाचार्य को ज्ञापन सौंपा। छात्रों का कहना है कि फार्माकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और पैथोलॉजी की प्रयोगशालाएं पूर्ण रूप से कार्यशील नहीं हैं तथा योग्य लैब तकनीशियनों की कमी है, जिससे प्रायोगिक शिक्षा प्रभावित हो रही है। छात्र राहुल शर्मा ने बताया कि क्लिनिकल एक्सपोजर के लिए बस सुविधा का आश्वासन दो-तीन माह पहले दिया गया था, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पांच बार आवेदन देने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। छात्र अक्षय ने आरोप लगाया कि सेकेंड ईयर की लैब्स फंक्शनल नहीं हैं, खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए लगभग 50 लाख रुपये के बजट के बावजूद सुविधाएं नहीं मिल रहीं। प्रत्येक छात्र से करीब 18 हजार रुपये स्पोर्ट्स फीस ली जा रही है, लेकिन उसका उपयोग नजर नहीं आता।

छात्रों ने बताया कि हॉस्टल में लंबे समय तक टेबल-चेयर नहीं थे, छात्र गद्दे बिछाकर जमीन पर सोने को मजबूर थे। परिसर में खुले गड्ढे और अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था से सुरक्षा को खतरा बताया गया। इसके अलावा परिवहन सुविधा, मेस व्यवस्था, आपातकालीन चिकित्सा सहायता, बैकअप बिजली और स्वच्छता संबंधी समस्याएं भी उठाई गईं।

चिकित्सकों और छात्रों का आरोप है कि लंबे समय से समस्याएं उठाई जा रही हैं। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पूरे मामले में कॉलेज प्रधानाचार्य की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। फिलहाल कॉलेज को लेकर माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

जैसलमेर : रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक अतिक्रमण से आक्रोश

उन गलियों और क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जो आवासीय श्रेणी में आते हैं

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्ण नगरी जैसलमेर में इन दिनों नगर परिषद के फैसलों को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। आरोप है कि नगर परिषद आयुक्त द्वारा रिहायशी क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर घरेलू से व्यावसायिक रूपांतरण (कन्वर्जन) की अनुमति दी जा रही है। इससे न केवल शहर का मास्टर प्लान प्रभावित हो रहा है, बल्कि शांत इलाकों में रहने वाले आम नागरिक मानसिक और भौतिक रूप से परेशान हो रहे हैं।

- आरोप है कि नगर परिषद आयुक्त द्वारा रिहायशी क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर घरेलू से व्यावसायिक रूपांतरण (कन्वर्जन) की अनुमति दी जा रही है
- इससे न केवल शहर का मास्टर प्लान प्रभावित हो रहा है, बल्कि शांत इलाकों में रहने वाले आम नागरिक मानसिक और भौतिक रूप से परेशान हो रहे हैं

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा उन गलियों और क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जो पूरी तरह से आवासीय श्रेणी में आते हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी आवासीय भूखंड को व्यावसायिक में बदलने के लिए सख्त मापदंडों का पालन करना अनिवार्य है, जिसमें सड़क की चौड़ाई, पार्किंग की व्यवस्था और आसपास के निवासियों की सहमति जैसे बिंदु शामिल हैं। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 और राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010 के तहत, रिहायशी इलाकों में ऐसी किसी भी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती जो सार्वजनिक शांति में खलल डाले या प्रदूषण फैलाए। आवासीय क्षेत्रों में बैंक्वेट हॉल, भारी गोदाम या शोर मचाने वाली कार्यशालाएं पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

वरिष्ट नागरीक नरेंद्र कुमार ने बताया कि रिहायशी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों के कारण ट्रैफिक जाम, पार्किंग की समस्या और देर रात तक शोर-शराबा होने पर रहवासियों को परेशानी हो रही है।

ऐसा लग रहा था मानो वह किसी अलग ही पिच पर बल्लेबाजी कर रहे हों। किशन ने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पाकिस्तान की स्पिन रणनीति का जोरदार जवाब दिया और टी-20 विश्व कप में अपना लगातार दूसरा अर्धशतक बनाया। - तिलक वर्मा

भारतीय बल्लेबाज, किशन के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

राशिद खान

सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेले गए ग्रुप स्टेज मैच के दौरान अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने टी20 में 700 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैच में उन्होंने एक विकेट लिया और अपने चार ओवरों में 24 रन दिए। अफगानिस्तान ने यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करते हुए 20 ओवरों में 160/9 पर रोक दिया।27 वर्षीय अफगानिस्तान के कप्तान ने पहली पारी के 16वें ओवर में मोहम्मद अरफान को हिट-विकेट से आउट करके यह उपलब्धि हासिल की।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर इतिहास रचा है, जिसमें भारत ने 9 में से 8 मैच जीतकर अपना दबदबा बनाया।

इंग्लैंड की तीसरी जीत, इटली को 24 रन से हराया

कोलकाता, 16 फरवरी। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंतत: 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया। इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

पहला मैच

कनाडा व न्यूजीलैंड के बीच सुबह 11 बजे

दूसरा मैच

आयरलैंड व जिम्बाब्वे के बीच दोपहर 3 बजे

तीसरा मैच

नेपाल व स्कॉटलैंड के बीच शाम 7 बजे

टी-20 विश्वकप में स्मिथ ऑस्ट्रेलिया टीम में शामिल

नई दिल्ली, 16 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में स्टीव स्मिथ को शामिल किया है। अनुभवी खिलाड़ी पिछले सप्ताह श्रीलंका में मिचेल मार्श की चोट के बाद टीम में शामिल हुए थे, हालांकि, पालेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले से पहले, ऑस्ट्रेलिया ने इस फैसले की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने चोटिल जोश हेज़लवुड की जगह टीम में जगह बनाई है। इस घटनाक्रम पर बोलते हुए, क्रिकेट क्रिकेट के मौजूदा चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने कहा कि मार्श और स्टोइनिस की निगरानी की जरूरत को देखते हुए, टीम प्रबंधन ने स्मिथ को टीम में शामिल करना सही फैसला समझा।

श्रीलंका ने आठ विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया, पथुम निसांका का नाबाद शतक

पल्लेकेले, 16 फरवरी। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18 ओवर में दो विकेट पर 184 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सोमवार को टी20 विश्व कप 2026 का 30वां मुकाबला पल्लेकेले में खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने मिचेल मार्श और ट्रेविस हैड की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में 10 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने 18 ओवर में दो विकेट पर 184 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। उनके लिए पथुम निसांका ने शानदार शतक जड़ा।

ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप में एक और करारी हार झेलनी पड़ी है। उसे सोमवार के तीसरे मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। अब उसकी उम्मीदें जिम्बाब्वे की हार पर टिकीं हैं।

पल्लेकेले स्टेडियम में ग्रुप बी के इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 182 रन का टारगेट 18 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पथुम निसंका ने 52 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया। कुसल मेंडिस ने 51 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस को 2 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया से ट्रेविस हेड ने 56 और मिचेल मार्श ने 54 रन की पारी खेली। दोनों ने शतकीय साझेदारी की। जोश इंग्लिस ने 27 और ग्लेन मैक्सवेल ने 22 रन बनाए। दुष्मंथा चमीरा को 2 विकेट झटके। दुष्मंथा चमीरा को 2 विकेट मिले।

अफगानिस्तान की टी-20 वर्ल्डकप में पहली जीत

संयुक्त अरब अमीरात को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 16 फरवरी। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्डकप के 28वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 5 विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज की। सोमवार को दिन के पहले मैच में अफगानिस्तान ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया।

संयुक्त अरब अमीरात ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 160 रन बनाए। जवाब में अफगान टीम ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह उमरजई ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 विकेट लिए और 21 बॉल पर नाबाद 40 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस जीत के बाद अफगानिस्तान ग्रुप-डी के पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आ गया है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात चौथे नंबर पर खिसक गई। दोनों के 3-3 मैच में 2-2 पॉइंट्स है, लेकिन अफगानिस्तान के रन रेट सही होने की वजह से वह एक स्थान ऊपर है। इब्राहिम जादरान ने 53 रन बनाए टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। उनके अलावा अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 40, दरविश रसूली ने 33, सेदिकुल्लाह अटल 16 और गुलबदीन नाईब 13 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज खाता भी नहीं खोल सके। के लिए मुहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए। मुहम्मद जवादुल्लाह को 1 विकेट मिला।

मिलानो कॉर्टिना में आइस डॉस पर बवाल

जजिंग विवाद के बाद अमेरिकी फिगर स्केटिंग ने नहीं की अपील

मिलानो कॉर्टिना, 16 फरवरी। शीतकालीन खेलों में आइस डांस फाइनल के नतीजों को लेकर उठा विवाद अब औपचारिक अपील तक नहीं पहुंचेगा। अमेरिकी फिगर स्केटिंग ने स्पष्ट कर दिया है कि वह मैडिसन चॉक और इवान बेट्स के स्कोर को चुनौती नहीं देगा। फाइनल के बाद कुछ प्रशंसकों ने जजिंग को लेकर नाराजगी जताई थी और ऑनलाइन याचिका भी शुरू की थी। बता दें कि पूरे सत्र में अपराजित रहे इस अमेरिकी जोड़े को फ्री डांस में अपने प्रदर्शन पर पूरा भरोसा था। उनका मानना था कि उन्होंने स्वर्ण पदक के लायक प्रस्तुति दी है। हालांकि अंतिम स्कोर में फ्रांस की जोड़ी लारेंस फ़ोर्नियर ब्यूट्री और गिलाउम सिज़ेरॉन ने कुल 225.82 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चॉक और बेट्स को 224.39 अंक मिले और वे रजत पदक तक सीमित रहे। गौरतलब है कि विवाद का बड़ा कारण फ्री डांस में फ्रांसीसी जज जेज़ाबेल डाबुई द्वारा दिए गए अंक रहे, जिन्होंने फ्रांसीसी जोड़ी को अमेरिकी खिलाड़ियों की तुलना में लगभग आठ अंक अधिक दिए। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई और अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ तथा अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से स्कोर की समीक्षा की मांग उठी।

टी-20 विश्व कप में भारत से हार का साइड इफेक्ट, पाकिस्तान टीम से बाबर और शाहीन होंगे बाहर

नई दिल्ली, 16 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम 2026 टी20 विश्व कप में नामीबिया के खिलाफ बुधवार के मैच के लिए पूर्व कप्तान बाबर आजम और शाहीन अफरीदी को टीम से बाहर करने जा रही है। टीम प्रबंधन इन दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के निराशाजनक प्रदर्शन से हताश है। यह फैसला रविवार (15 फरवरी) को प्रतिद्वंद्वी भारत से पाकिस्तान की 61 रनों की करारी हार के बाद लिया गया है। भारत से हार के बाद अक्सर पाकिस्तान टीम में तुरंत बदलाव देखने को मिलते हैं, लेकिन बाबर और अफरीदी के प्रदर्शन पर काफी समय से सवाल उठ रहे हैं।

बाबर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और सात गेंदों पर सिर्फ पांच रन बना सके। अक्षर पटेल की गेंद पर एक खराब शॉट खेलने की कोशिश में वह चूक गए और उनका स्टंप्स उड़ गए। वहीं, अफरीदी ने अपने दो ओवरों में 15.50 की इकॉनमी रेट से 31

रन लुटाए, जो उस रात किसी भी गेंदबाज की सबसे महंगी इकॉनमी रेट थी। मैच के बाद, कोच माइक हेसन ने कहा कि उनके खिलाड़ियों को दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए और अधिक अभ्यास की आवश्यकता है, क्योंकि वे इस समय बुनियादी बातों को अक्सर भूल रहे हैं।

उन्होंने मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि देखिए, जब कोई खिलाड़ी आप पर दबाव डाल रहा हो, तो यह बहुत महत्वपूर्ण होता है - क्या आप अपनी बुनियादी बातों पर टिके रहेंगे या उनसे भटक जाएंगे? और मुझे लगता है कि यह एक वास्तविक चुनौती होगी क्योंकि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, हम पर फिर से दबाव डाला जाएगा। हेसन ने आगे कहा कि और जब हम दबाव में होते हैं तो हमारी प्रतिक्रिया कैसी होती है, यह मायने रखता है।

ये सभी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं, अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन जब दबाव आता है, तो क्या वे निर्णय लेने की क्षमता पर भरोसा करेंगे या शायद उससे बाहर जाकर कुछ गलत करेंगे? हमें इस मामले में सुधार करना होगा। अगर पाकिस्तान बाबर और शाहीन को टीम से बाहर करता है, तो वे फखर जमान और नसीम शाह को मौका दे सकते हैं। नामीबिया के खिलाफ मैच इस जोखिम को उठाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भले ही बारिश के कारण रद्द हुए मैच से एक अंक भी उन्हें सुपर-आठ चरण में पहुंचा देगा, लेकिन हार उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर सकती है।

भारत से हार पर भड़के शोएब अख्तर, नकवी को बताया जाहिल और अक्षम

नई दिल्ली, 16 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने मोहसिन नकवी की जमकर आलोचना करते हुए उन्हें अक्षम और अज्ञानी बताया। यह आलोचना तब हुई जब पाकिस्तान को 15 फरवरी, रविवार को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत से 61 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। अख्तर ने पाकिस्तान की कमजोर आत्मसमर्पण की कड़ी निंदा की, जिसके चलते भारत ने टी20 विश्व कप के इस निर्णायक मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ इस शानदार जीत के साथ, भारत ने टूर्नामेंट में 8-1 की मजबूत बढ़त बना ली है। पाकिस्तान ने भारत को 175 रन बनाने की अनुमति तो दे दी, लेकिन बल्लेबाजी में वे कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए और मात्र 114 रनों पर ऑल आउट हो गए। एबीपी न्यूज़ से बात करते हुए अख्तर ने कहा कि मैच में हमारा कोई दबदबा नहीं था। शाहीन जिस तरह से गेंदबाजी कर रहे थे... वो 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। आधुनिक क्रिकेट में ऐसी मांग नहीं होती। ये वो प्रतिभाएं नहीं हैं जो दबाव झेल सकें। दिग्गज तेज गेंदबाज ने पीसीबी और राष्ट्रीय टीम के प्रबंधन को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। अख्तर ने विशेष रूप से उन वरिष्ठ खिलाड़ियों के निरंतर समर्थन की आलोचना की, जो सबसे अहम मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे हैं।

वीमेन सीनियर वनडे ट्रॉफी : राजस्थान ने बंगाल को हराया

जयपुर, 16 फरवरी। वड़ोदरा में खेली जा रही वीमेन सीनियर एक दिवसीय ट्रॉफी में आज राजस्थान ने बंगाल को 4 विकेट से हराया। राजस्थान - बंगाल मैच (राजस्थान 4 विकेट से जीती) बंगाल पारी 196 आल आउट। टीम के लिए साइका 48 व सुजाता 43 रन। राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 50/5 व रिंकू टांक, कौशल्या चौधरी, शानू, संगीता कुमावत 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 197/6, टीम के लिए आयुषु गर्ग 47, डिंपल कँवर नाबाद 42, सुमन मीणा 42 व संगीता कुमावत 39 रन।बंगाल की गेंदबाज बिधिशा 36/3

सबा क्लब ने जयपुर क्लब को हराया

जयपुर, 16 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैच में सबा क्लब ने जयपुर को 8 विकेट से हराया। प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर जयपुर क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया लेकिन सबा क्लब की गेंदबाज ऋषभ सांकला के 40 पर 3, मिहित अग्रवाल के 34 पर 3, सुमित भगेरिया के 25 पर 2 व अमृतपाल के 16 पर 2 विकेट के सामने 29.3 ओवर में मात्र 141 रनो पर आउट हो गई। जयपुर क्लब के लिए विवेक सैनी ने 25, मोहम्मद खूबेब ने 19, निरंजन सैनी ने 26 व सैयद सफान ने 19 रन बनाए।

ये पाक क्रिकेट का सबसे काला दौर : मो. यूसुफ

नई दिल्ली, 16 फरवरी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप स्टेज मैच में भारत से 61 रनों की हार के बाद टीम के पतन के लिए पाकिस्तान क्रिकेट संरचना में राजनीतिक प्रभाव और व्यक्तिगत स्वार्थ को जिम्मेदार ठहराया है और इसे देश के क्रिकेट इतिहास का सबसे काला दौर बताया है। पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान पुरुष टीम के कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने कहा कि जब तक राजनीतिक हस्तक्षेप और व्यक्तिगत स्वार्थ समाप्त नहीं हो जाते, पाकिस्तान क्रिकेट अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर पाएगा। मोहम्मद यूसुफ ने कहा कि जब तक हम पाकिस्तान क्रिकेट को राजनीतिक प्रभाव और व्यक्तिगत स्वार्थ को दूर नहीं करते, तब तक हम उस टीम के रूप में वापस नहीं आ सकते जो हम कभी थे। यह हमारे क्रिकेट इतिहास का सबसे काला दौर है, और मेरा दिल इसके लिए तड़पता है। अक्षम व्यक्तियों को पद और टीम से हटा दिया जाना चाहिए। 2009 टी20 विश्व कप विजेता पाकिस्तान मौजूदा विश्व कप के सुपर 8 चरण में पहुंचने से चूकने के खतरे में है, क्योंकि उसका नेट रन रेट संयुक्त राज्य अमेरिका से भी नीचे गिर गया है। नतीजतन, नामीबिया से हार सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम के अभियान का अंत कर देगी।

राजस्थान के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का मिलन समारोह एवं चौथी किशनगढ़ ट्रॉफी शूटिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

जयपुर, 16 फरवरी। जयपुर नाइट शॉटगन प्रतियोगिता ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर राजस्थान राइफल एसोसिएशन द्वारा नाइट शॉटगन शूटिंग प्रतियोगिता (स्कीट, ट्रैप, डबल ट्रैप) का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों के मिलन समारोह में सम्माननीय सदस्य कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड, युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार; कलीकेश नारायण सिंहदेव, अध्यक्ष, राष्ट्रीय राइफल संघ: पवन कुमार सिंह, महासचिव, राष्ट्रीय राइफल संघ: एवं राजीव भाटिया, सचिव, राष्ट्रीय राइफल संघ बतौर अतिथि उपस्थित हुए।

खेल मंत्री ने राजस्थान के 2025 की मेडल टैली में प्रथम स्थान पर रहने की प्रशंसा करते हुए खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें आगे भी इसी तरह प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शूटिंग खेल को बढ़ावा देने एवं खिलाड़ियों के हित में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि शूटिंग खेल में आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए बजट में 240 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। राष्ट्रीय राइफल संघ के अध्यक्ष, महासचिव एवं सचिव ने खिलाड़ियों और राजस्थान राइफल एसोसिएशन को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में अधिक से अधिक मैच ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर आयोजित किए जाएंगे, जिससे राजस्थान के खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे।

कुल 48 राइडर्स ने लिया भाग

फादर ऑफ इंडियन ऑफ-रोड मोटरसाइकिल रेसिंग

जयपुर, 16 फरवरी। जॉन सिंह स्पीड फेस्टिवल में दो दिनों तक रोमांचक रेसिंग देखने को मिली, जिसमें कश्मीर से कन्याकुमारी तक के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि 'हीरो मोटोकॉर्प' ने अपनी फैक्ट्री टीम मैदान में उतारी। तीन रेसिंग श्रेणियों में कुल 48 राइडर्स ने सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा की। 'जयपुर मोटरसाइकिल क्लब' ने 'मोटरेक्स' और 'बिग बैड बाइक्स' के सहयोग से 'फादर ऑफ इंडियन ऑफ-रोड मोटरसाइकिल रेसिंग' - जॉन सिंह की जयंती के अवसर पर जयपुर के पास नायला में दो दिवसीय स्पीड फेस्टिवल का आयोजन किया।

जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर महाराजा सवाई मानसिंह, एमवीसी कप के लिए आज से होगी टीमों के बीच टक्कर

जयपुर, 16 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप (14 गोल्स) के लिए चार टीमों के बीच कल से मुकाबलों की शुरुआत होगी। इन चार टीमों में जयपुर अरावली, जिंदल पोलो टीम, कैरेसिल सुहाना और विमल एरियन अचीवर्स शामिल हैं। इस कप के लिए फाइनल मुकाबला शनिवार, 21 फरवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट के लिए मुकाबले कुछ इस प्रकार से होंगे। मंगलवार, 17 फरवरी को पीपीसी ग्राउंड पर कैरेसिल सुहाना और विमल एरियन अचीवर्स के बीच दोपहर 12 बजे से मैच खेला जाएगा। इसी प्रकार, राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड (आरपीसी) पर दोपहर 3:30 से जयपुर अरावली और जिंदल पोलो टीम के बीच मुकाबला होगा। वहीं, गुरुवार, 19 फरवरी को टीमों के बीच क्रॉस सेमिफाइनल मुकाबले आयोजित होंगे। उल्लेखनीय है कि बुधवार, 18 फरवरी और शुक्रवार, 20 फरवरी को मेंटेनेंस डे रहेंगे। टीम जयपुर अरावली से खेलने वाले खिलाड़ियों में हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, लांस वॉटसन, प्रताप सिंह कानोता और मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे शामिल होंगे। टीम जिंदल पोलो से नवीन जिंदल, सिद्धांत शर्मा, सिमरन शेरगिल और मैक्स चार्ल्टन खेलेंगे। इसी प्रकार, टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से अशोक चांदना, कुलदीप सिंह राठौड़, मैनुअल प्रराडो और माटियास वायल खेलेंगे। वहीं, टीम विमल एरियन अचीवर्स में सलीम आजमी, डेनियल ओटामेंडी, अलेजो अरामबुरु और ध्रुवपाल गोदारा शामिल होंगे।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग 9 मार्च से

जयपुर, 16 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा स्व. अनुराग मिश्रा स्मृति 'बी' डिवीजन लीग का आयोजन दिनांक 9 मार्च से किया जाएगा। बी डिवीजन लीग में 20 टीमें भाग लेगी जिन्हें 4 पूल में विभाजित किया जाकर लीग कम नॉक आउट आधार पर मैच आयोजित किए जाएंगे। सभी टीमों को 50-50 ओवर के 4 मैच खेलने को मिलेंगे। प्रत्येक पूल से 2 टीम नॉक आउट में प्रवेश करेगी। बी डिवीजन लीग की टीमों को अपनी प्रविष्टि दिनांक 05 मार्च तक जेडीसीए के ऑफिस के एल सैनी स्टेडियम पर आवश्यक रूप से जमा करनी होगी।

धर्मवीर सैनी व सिद्धार्थ जोशी की अर्द्धशतकीय पारी से जयपुर डिवीजन फाइनल में

जयपुर, 16 फरवरी। जोधपुर वर्कशॉप ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 131 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें सदासुख धारनिया ने 47 रन व दिनेश सैनी 35 रनों का योगदान दिया। जयपुर डिवीजन की ओर से गेंदबाजी में श्याम जांगिड़, लखन भारती, गौरव मीना, आकाश साहू ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जयपुर डिविजन 10.4 ओवर में 132/1 रन बनाकर फाइनल में जगह बना ली। जिसमें धर्मवीर सैनी ने नाबाद 70 रन व सिद्धार्थ जोशी ने 55 रनों (रिटायर्ड आउट) की पारी खेली। जयपुर डिवीजन ने 9 विकेट से मुकाबला जीता। मैन ऑफ द मैच-धर्मवीर सैनी।

गजेंद्र सिंह के ऑलराउंडर प्रदर्शन से बीकानेर डिविजन फाइनल में- दिन का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बीकानेर डिविजन व अजमेर डिवीजन के मध्य खेला गया। जिसमें बीकानेर डिवीजन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 179/8 रन बनाएं। जिसमें विनीत ने नाबाद 37 रन व राहुल सिंह चौहान ने 32 रन व जुबेर अली खान ने 31 रन व गजेंद्र सिंह ने 27 रनों की पारी खेली। अजमेर डिवीजन की ओर से गेंदबाजी में शैलेंद्र सिंह व प्रद्युमन पारीक ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अजमेर डिविजन 15.4 ओवर में 103 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें निखिल डोरू ने नाबाद 31 रन व अफरोज ने 30 रनों का योगदान दिया। बीकानेर डिवीजन की ओर से गेंदबाजी में गजेंद्र सिंह ने 5 विकेट व गौरव खत्री ने तीन विकेट लिए।बीकानेर डिवीजन में 76 रन से मुकाबला जीता।मैन ऑफ द मैच -गजेंद्र सिंह। फाइनल मुकाबला जयपुर डिविजन व बीकानेर डिवीजन के मध्य मंगलवार को रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

शिक्षक युवाओं की ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र निर्माण के लिए करें- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-26 के उद्घाटन समारोह में संबोधन दिया

जयपुर, 16 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार, तकनीक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा दिया जाए, जिससे रोजगार प्राप्ति के साथ ही युवाओं का चरित्र निर्माण भी हो। उन्होंने शिक्षकों से आ ान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमताओं का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करने के लिए अपनी महती भूमिका निभाएं।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस समागम की थीम ''अंतर संस्थागत विकास पर संवाद'' अत्यंत प्रासंगिक है। आईआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और निजी शिक्षण संस्थाओं को मिलाकर काम करने से धरातल पर वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026 का उद्घाटन किया।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी शिक्षा चाहिए ,जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम हो। जहां वेदों के ज्ञान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ हो, संस्कृत के श्लोकों के साथ कोडिंग की भाषा हो तथा योग और ध्यान के साथ रोबोटिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी हो।

उन्होंने कहा कि इस समागम की थीम 'अंतर-संस्थागत विकास पर संवाद' अत्यंत प्रासंगिक है। आईआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और निजी शिक्षण संस्थाओं के मिलकर काम करने से धरातल पर वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमारी सरकार अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां दे चुकी है और 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इस वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी पदों की भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि इस समागम का उद्देश्य है कि संस्थागत सहयोग, नेतृत्व विकास एवं नीति निर्माण के माध्यम से विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को गति मिले। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि इस समागम में संस्थागत विकास, फ्यूचर रैडी फैकल्टी, भारत आधारित शोध को बढ़ावा, भारतीय भाषाओं का प्रचार-प्रसार, तकनीक आधारित उच्च शिक्षा का भविष्य सहित, विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी।

फरीदाबाद की स्टील फैक्ट्री में ब्लास्ट से आग लगी

फरीदाबाद, 16 फरवरी। सेक्टर-24 स्थित एक औद्योगिक इकाई (एमजीए इंडस्ट्रीज या समान फैक्ट्री) में सोमवार शाम को भीषण आग लग गई, जिसमें 5 पुलिसकर्मी समेत 40 से ज्यादा लोग झुलस गए हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया।

घायलों को तुरंत बादशाह खान अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां

- स्टील की प्लेट काटते समय चिंगारी कैमिकल से भरे ड्रम तक पहुंच गई जिससे पहले धमाका हुआ फिर आग लग गई। 5 पुलिसकर्मी सहित 40 से ज्यादा लोग झुलस गए।

उनका इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में सीएनसी मशीन से स्टील की प्लेट काटने का काम होता है। शाम करीब 4 बजे प्लेट काटते समय एक चिंगारी केमिकल से भरे ड्रम में चली गई। कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री में फैल गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आग में 42 लोगों के झुलसने की पुष्टि की गई है जिसमें से 12 लोगों बादशाह खान सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां पहुंचीं। आग बुझाने के दौरान तेल से भरे ड्रमों की मौजूदगी से आग और भड़क गई।

भिवाड़ी की कैमिकल एवं पटाखा फैक्ट्री में आग, 7 जिंदा जले

फैक्ट्री में भारी मात्रा में कैमिकल व पटाखा बनाने वाली सामग्री का भंडारण किया गया था

- घायलों को बेहतर इलाज के लिए सफदर जंग अस्पताल दिल्ली भेजा गया है।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर गहरा दुःख जताया तथा मृतकों के परिजनों के लिए 3-3 लाख रूपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

भिवाड़ी/ खैरथल, 16 फरवरी। भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र के खुशखेड़ा स्थित एक केमिकल व पटाखा फैक्ट्री में सोमवार सुबह लगी भीषण आग ने पूरे इलाके को दहला दिया। आगजनी की खबर सुनकर जयपुर से वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा, अलवर से जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला तथा भिवाड़ी पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने पुष्टि की है कि घटना में सात लोगों की मृत्यु हुई है।

घायलों को दिल्ली सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद की गई तलाशी में परिसर के भीतर किसी भी व्यक्ति के फंसे होने की संभावना नहीं बताई गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े नौ बजे फैक्ट्री परिसर से अचानक जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी। धमाका इतना तेज था कि आसपास की अन्य औद्योगिक इकाइयों में काम कर रहे कर्मचारी भी घबराकर बाहर निकल आए। देखते ही देखते फैक्ट्री से धुएं का घना गुबार उठने लगा और आग तेजी से फैलती चली गई। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में ज्वलनशील केमिकल और पटाखा सामग्री का भंडारण किया गया था, जिससे आग ने कुछ ही मिनटों में भयावह रूप ले लिया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग सक्रिय हो गया। भिवाड़ी, तिजारा, धारूहेड़ा और रेवाड़ी सहित, कई स्थानों से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका।

प्रशासन ने औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए आगामी सात दिनों में औद्योगिक इकाइयों की व्यापक जांच करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने बताया है कि इकाइयों में संचालित गतिविधियों, अग्नि सुरक्षा उपायों, वैधानिक अनुमतियों एवं श्रमिक सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा की जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटनास्थल पर पहुंचे वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके पश्चात मंत्री अस्पताल गए और अधिकारियों को घटना से प्रभावित सभी व्यक्तियों को आवश्यक सहायता एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री शर्मा पुलिस थाने भी गए, जहां उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि घटना के कारणों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी सहित, जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिकी क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में आग से हुई दुखान्तिका पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के आश्रितों के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है। उन्हें पूरी मदद देने और घायलों के हरसंभव उपचार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मृतकों के आश्रितों को 3-3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। उन्होंने निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता तत्काल सुनिश्चित की जाए।

जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साल के कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था।

वहीं, सह-आरोपी सैफ अली खान, नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया था। राज्य सरकार ने इन कलाकारों को बरी किए जाने के आदेश को राजस्थान हाईकोर्ट में लीव टू अपील के माध्यम से चुनौती दी थी।

सलमान खान के वकीलों ने पूर्व में एक ट्रांसफर पिटीशन दायर की थी, ताकि उनकी सजा के खिलाफ लंबित अपील को राज्य सरकार की अपील के साथ जोड़कर (संलग्न कर) एक साथ सुना जा सके। पूर्व की सुनवाई में जस्टिस मनोज कुमार गर्ग ने निर्देश दिया था कि तकनीकी कारणों से रुकी इस प्रक्रिया को पूरा कर दोनों प्रकरणों को संयुक्त रूप से लिस्ट किया जाए।

सुनेत्रा पवार एनसीपी (अजित पवार गुट) की अध्यक्ष बनेंगी

- इस घोषणा से स्पष्ट है कि एनसीपी के दोनों धड़ों का विलय फिलहाल टल गया है
- सुनेत्रा पवार को हाल ही में महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाया गया है।

मुंबई/पुणे, 16 फरवरी। महाराष्ट्र की राजनीति से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आई है। बीते कुछ दिनों से चल रही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों धड़ों (शरद पवार गुट और अजित पवार गुट) के विलय की चर्चा पर फैसला टाल दिया गया है। सोमवार को महाराष्ट्र डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में हुई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में पार्टी के विलय पर कोई चर्चा नहीं हुई। लेकिन इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि बारामती विमान हादसे में पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार सरकार के बाद अब पार्टी में भी लीड रोड में नजर आएंगी।

महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम का पद संभालने के बाद अब अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार पार्टी में सर्वोच्च पद संभालेंगी। इस तरह से उनके सामने सरकार के साथ-साथ संगठन को संभालने की दोहरी जिम्मेदारी होगी।

दरअसल सोमवार को हुई एनसीपी नेताओं की बैठक में सुनेत्रा पवार को एनसीपी की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर सहमति जताई गई है। बताया गया कि सुनेत्रा पवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले पर 26 फरवरी को आधिकारिक मुहर लगेगी। आज हुई एनसीपी की अहम बैठक में सुनेत्रा पवार के नाम पर मुहर लगाते हुए उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर फैसला हुआ। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी विधायकों ने हाथ उठाकर अपना पूर्ण समर्थन दिया।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 26 फरवरी को होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उनके नाम पर आधिकारिक रूप से मुहर लगा दी जाएगी। फिलहाल पार्टी के विलय को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। विधायकों को सख़्त हिदायत दी गई है कि विलय के संबंध में बाहर मीडिया में कोई भी बयान न दें।

इज़रायली टूरिस्ट से गैंगरेप के 3 दोषियों को मौत की सजा

नई दिल्ली, 16 फरवरी। कर्नाटक के कोप्पल जिले के एक सेशन कोर्ट ने सोमवार को तीन लोगों को मौत की सजा सुनाई।

इन लोगों को एक इजराइली नागरिक समेत दो महिलाओं के गैंगरेप और एक पुरुष टूरिस्ट की हत्या का दोषी पाया गया था। इस अपराध ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था और इसकी बहुत निंदा हुई थी।

गंगावती डिस्ट्रिक्ट और सेशंस कोर्ट में मौत की सजा सुनाई गई है। जज ने कहा कि यह जुर्म रेयरेस्ट ऑफ रेयर कैटेगरी में आता है, जिसके लिए ज्यादा से ज्यादा सजा मिलनी चाहिए।

यह घटना हम्पी के पास सनापुरा में तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक कैनाल के पास हुई। पुलिस ने बताया कि तीनों दोषियों ने 6 मार्च, 2025 की रात कोदो महिला सर्वाइवर, एक इजराइली टूरिस्ट और एक होमस्टे ऑपरेटर, और तीन अन्य पुरुष टूरिस्ट दोस्तों से पैसे मांगे थे।

योगी आदित्यनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होती है। आंखों में जलन होती है और सांस लेने में परेशानी होती है। बुजुर्गों, बीमार लोगों और बच्चों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। स्थिति बहुत खराब है।''

बताया जा रहा है कि भाजपा नेता इस बयान से हैरान रह गए हैं। साथ ही इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि योगी ने ''तीखी टिप्पणी करके अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश की है।

एक विचार यह भी है कि जैसे नरेन्द्र मोदी ने अपने विकास एजेंडे को दिखाने के लिए गुजरात मॉडल पेश किया था, वैसे ही योगी भी कुछ ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। इसे प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में गृह मंत्री अमित शाह पर बढ़त बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि योगी ने गोरखपुर के प्रदूषण स्तर की तुलना नई दिल्ली से की। उन्होंने कहा, ''यहां (गोरखपुर) का वातावरण देखिए। यहां कोई बीमारी नहीं है, क्योंकि प्रदूषण नहीं है। आप पर्यावरण की रक्षा करेंगे तो पर्यावरण आपकी रक्षा करेगा।''

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार को दिल्ली के आनंद विहार में, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 239 था, जबकि गोरखपुर में यह आंकड़ा 97 दर्ज किया गया।

जहां योगी की टिप्पणियां सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में हैं, वहीं आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मुख्यमंत्री के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि ''योगी आदित्यनाथ ने प्रदूषण के मुद्दे पर भाजपा को बेनकाब कर दिया है।''

जेईई मेन्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा सरकारी वित्तपोषित तकनीकी संस्थान (जीएफटीआई) जैसे प्रमुख तकनीकी संस्थानों में प्रवेश की संभावनाएं काफी बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, ये अभ्यर्थी जेईई एडवांस्ड के लिए पात्र हो गए हैं, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश का मार्ग है।

इस वर्ष राजस्थान से सर्वाधिक तीन अभ्यर्थी 100 परसेंटाइल स्कोरर रहे।

चुनाव आयोग ने प.बंगाल के सात अधिकारियों को सस्पैंड किया

कोलकाता, 16 फरवरी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में सात आधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही, आयोग ने मुख्य सचिव को उनके खिलाफ तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरु करने का निर्देश दिया है। इन सभी अधिकारियों पर ड्यूटी में लापरवाही और एसआईआर के संबंध में कानूनी शक्तियों का दुरुपयोग करने का आरोप है। रविवार रात को पश्चिम बंगाल की चीफ सेक्रेटरी नंदिन चक्रवर्ती को भेजे गए लैटर में आयोग ने अलग-अलग जिलों के सात असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स को तुरंत सस्पेंड करने का ऑर्डर दिया है। लेटर में कैडर कंट्रोलिंग अथॉरिटी से कहा गया है कि वे बिना किसी देरी के डिसिप्लिनरी कार्रवाई शुरु करें और इस बारे में कमीशन को बताएं। इन सात अधिकारियों में से तीन मुर्शीदाबाद, दो साउथ 24 परगना और एक-एक वेस्ट मेदिनीपुर और जलपाईगुड़ी जिले में पोस्टेड हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक के वीडियो का पूर्ण ट्रांसक्रिप्शन मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, एआई बहुत विकसित हो गया है तो अनुवाद 98 प्रतिशत सटीक होना चाहिए

- वांगचुक के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, जो बातें वांगचुक के हवाले से कही जा रही हैं, वो उन्होंने कभी नहीं कहीं।
- एडीशनल सॉलिसिटर जनरल के एम नटराजन ने पल्ला झाड़ते हुए कहा ट्रांसक्रिप्शन का विभाग अलग है, वे इसके विशेषज्ञ नहीं हैं।

नई दिल्ली, 16 फरवरी। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पेश किए गए वीडियोट्रांसक्रिप्ट को लेकर केन्द्र सरकार से सवाल पूछे। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को केन्द्र सरकार से पूछा कि वांगचुक के मामले में जो वीडियो जमा किए गए हैं उनके सही ट्रांसक्रिप्ट (शब्द-दर-शब्द रिकॉर्ड) कहां हैं। कोर्ट ने कहा कि आज के समय में, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बहुत विकसित हो गया है, ट्रांसलेशन में कम से कम 98 प्रतिशत सटीकता होनी चाहिए।

कोर्ट में जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की बेंच ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि वांगचुक के बयान का असली ट्रांसक्रिप्ट सरकार से चाहिए। इस मामले में वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि कुछ बातें जो सरकार ने वांगचुक के नाम पर लिखी हैं, वह उन्होंने कभी नहीं कहीं। अब इस मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। कोर्ट ने कहा कि हम चाहते हैं कि आपके पास वीडियो का असली ट्रांसक्रिप्ट हो। आप जो कह रहे हैं और वांगचुक ने जो कहा है, दोनों अलग हैं। हम यह तय करेंगे। कम से कम जो वांगचुक ने कहा, उसका सही अनुवाद होना चाहिए। इस मामले में सिब्बल ने ट्रांसलेशन पर सवाल उठाते हुए कहा कि वांगचुक अपनी हड़ताल जारी रखते रहे और युवाओं को उकसाने के लिए नेपाल का जिक्र करते रहे। उन्होंने कहा कि यह लाइन कहां से आई? एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कोर्ट को बताया कि ट्रांसक्रिप्ट बनाने का अलग विभाग है और वे इसमें विशेषज्ञ नहीं हैं।

बता दें कि केन्द्र सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वांगचुक की हिरासत के दौरान 24 बार मेडिकल जांच की गई और वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हिरासत का कारण अभी भी मौजूद है, इसलिए उन्हें स्वास्थ्य के आधार पर रिहा नहीं किया जा सकता।

दरअसल, वांगचुक की पत्नी गितांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने कहा कि वांगचुक की एनएसए, 1980 के तहत हिरासत अवैध है।

गुजरात में 33 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, राज्यभर में हड़कम्प

अहमदाबाद, 16 फरवरी। गुजरात के कुल 33 स्कूलों को 16 फरवरी सोमवार की सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। यह धमकी भरा मेल वडोदरा के 18 और अहमदाबाद के 15 स्कूलों को भेजा गया है।

इस ईमेल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाते हुए आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं, जिसमें गुजरात खालिस्तान बनेगा और हिंदुस्तान के टुकड़े होंगे, जैसी धमकी दी गई हैं। यह धमकी मिलने के बाद सभी स्कूलों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और अभिभावकों में भी चिंता फैल गई। इस पर तुरंत ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। एहतियात के तौर पर, स्कूलों को खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित घर भेजने की व्यवस्था की गई।

भारत की सावलकोट हाइड्रो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षमता को मजबूत करेगा। इस परियोजना की प्रगति क्षेत्र में जलविद्युत निर्माण की तेजी से बढ़ती दर के बीच हो रही है, जो अनुमत जल संसाधनों का पूरी तरह से उपयोग करने की नीति में परिवर्तन को दर्शाता है।

तकनीकी दृष्टिकोण से, इस परियोजना को एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा निष्पादित किया जा रहा है और इसमें 5,129 करोड़ रूपए का अनुमानित निवेश है। यह उधमपुर और रामबन जिलों में स्थित है, जो चिनाब नदी पर स्थित बगलिहार परियोजना और सलाल संयंत्र के बीच रणनीतिक रूप से स्थित है।

इंजीनियरिंग योजनाओं के अनुसार, इसमें 192.5 मीटर ऊँचा रोलर कम्पैक्टेड कंक्रीट ग्रेविटी डेम बनाया जाएगा। निर्माण के दौरान नदी को तीन घोड़े की नाल के आकार की सुरंगों से मोड़ा जाएगा, जिनकी लंबाई अलग-अलग होगी। नदी के बाएं किनारे पर एक भूमिगत पावरहाउस में आठ जनरेटिंग यूनिट्स होंगी, प्रत्येक की क्षमता 225 मेगावाट, जो कुल मिलाकर 1,800 मेगावाट होगी। एक अतिरिक्त 56 मेगावाट पर्यावरणीय फ्लो स्टेशन होगा, जो नियमन के तहत जल प्रवाह का उपयोग करेगा, जिससे कुल स्थापित क्षमता 1,856 मेगावाट हो जाएगी।

- भारत सरकार ने कहा कि सावलकोट परियोजना का निर्माण इंडस वॉटर ट्रीटी के प्रावधानों के तहत ही किया जा रहा है।
- सावलकोट परियोजना ''रन ऑफ द रिवर हाइड्रोलैक्टिक स्कीम'' के तहत बन रही है, इसके लिए सिंधु जल समझौते में अनुमति दी गई है।

बाढ़ प्रबंधन पैरामीटर यह दर्शाते हैं कि निर्माण के दौरान जल परिवहन क्षमता गैर-मूसलधार अवधि में 2,977 घन मीटर प्रति सैकंड और मूसलधार अवधि में 9,292 घन मीटर प्रति सैकंड होगी। डिज़ाइन रन-ऑफ-द-रिवर सिद्धांतों के अनुसार है, यानी जल को संचयित करने की क्षमता सीमित है और बिजली उत्पादन के बाद जल को नदी में वापस भेज दिया जाएगा।

ऐतिहासिक रूप से, सावलकोट कोई नया विचार नहीं है। केन्द्रीय जल आयोग ने इस स्थल की पहचान 1960 के दशक में की थी, और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 1962 से 1971 के बीच इसका भूविज्ञान मूल्यांकन किया था। नवीनतम विस्तृत परियोजना रिपोर्ट फरवरी 2018 में प्रस्तुत की गई थी, जो यह स्पष्ट करती है कि यह पहल लंबे समय से योजना के तहत है। जो बदल चुका है, वह भू-राजनीतिक परिवेश है। वर्तमान द्विपक्षीय तनाव और निलंबित संधि ढांचे के बीच, तकनीकी रूप से उचित जलविद्युत परियोजनाएं भी सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हो जाती हैं। भारत के लिए, सवालकोट विकासात्मक अधिकारों और ऊर्जा सुरक्षा उद्देश्यों की पुष्टि करता है। पाकिस्तान के लिए, यह डाउनस्ट्रीम जल निर्भरता में महसूस की गई संवेदनशीलता का प्रतीक है।

जैसे-जैसे निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, यह परियोजना कूटनीतिक आदान-प्रदान में एक विवादास्पद मुद्दा बनी रहेगी। हालांकि, इसके कानूनी और तकनीकी पहलू यह संकेत करते हैं कि यह भारत की नदी बेसिन प्रबंधन के दृष्टिकोण में एक गहरा और महत्वपूर्ण शिफ्ट है।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ में 7 अप्रैल से सबरीमाला विवाद की सुनवाई होगी

यह विवाद मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़ा है

- पूर्व में 28 सितम्बर 2018 को सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बैंच ने 4:1 के बहुमत से महिलाओं के पक्ष में फैसला किया था, जिस पर पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई थीं।

नई दिल्ली, 16 फरवरी। उच्चतम न्यायालय की 9 जजों की संविधान पीठ धार्मिक आस्था बनाम मौलिक अधिकार और सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को प्रवेश देने के मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई करेगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले के सभी पक्षकारों को 14 मार्च तक लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा कि 9 जजों की संविधान बेंच 22 अप्रैल तक सुनवाई पूरी कर लेगी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की टाइमलाइन तय करते हुए कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता 7 से 9 अप्रैल तक अपनी दलीलें रखेंगे। 14 से 16 अप्रैल तक इस याचिका का विरोध करने वाले पक्ष अपनी दलीलें रखेंगे। उसके बाद 21 फरवरी को याचिकाकर्ताओं की ओर से दोबारा दलीलें रखी जाएंगी। उसके बाद 22 अप्रैल को इस मामले के एमिकस क्यूरी की ओर से दलीलें रखी जाएंगी।

सुनवाई के दौरान, सोमवार को केन्द्र सरकार ने कहा कि वो सबरीमाला मंदिर मामले में पुनर्विचार याचिकाओं का समर्थन करेगी। 28 सितंबर, 2018 को उच्चतम न्यायालय ने 4-1 के बहुमत से फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि बायोलॉजिकल और फिजियोलॉजिकल वजहों से महिलाओं के धार्मिक विश्वास की स्वतंत्रता को खत्म नहीं किया जा सकता है। तत्कालीन चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा समेत चार जजों ने कहा था कि ये संविधान की धारा 25 के तहत मिले अधिकारों के विरुद्ध है। जस्टिस इंदु मल्होत्रा ने बाकी चार जजों के फैसले से अलग फैसला सुनाया था। उन्होंने कहा था कि धार्मिक आस्था के मामले में कोर्ट को दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा था कि पूजा में कोर्ट का दखल ठीक नहीं है। मंदिर ही यह तय करे कि पूजा का तरीका क्या होगा। मंदिर के अधिकार का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि धार्मिक प्रथाओं को समानता के अधिकार के आधार पर पूरी तरह से परखा नहीं जा सकता है। यह पूजा करनेवालों पर निर्भर करता है, न कि कोर्ट यह तय करे कि किसी के धर्म की प्रक्रिया क्या होगी। जस्टिस मल्होत्रा ने कहा था कि इस फैसले का असर दूसरे मंदिरों पर भी पड़ेगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908